राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 12
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 28 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 उपराज्यपाल ने राजस्व विभाग के कामकाज की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता की | पेज 5 यूपी के दो लाख बिजली उपभोक्ताओं पर कार्रवाई की तैयारी, विभाग ने तैयार की लिस्ट | पेज 7 दो सप्ताह में दोगुने हो रहे मंकीपॉक्स के केस, साइंटिस्ट बोले- प्रसार रोकने के रास्ते हो रहे बंद

राज्यसभा से सस्पेंड हुए 20 सांसद धरने पर बैठे, गांधी प्रतिमा के पास 50 घंटे तक करेंगे प्रदर्शन

नई दिल्ली। राज्यसभा से सस्पेंड हुए 20 सांसद, संसद में स्थित गांधी प्रतिमा के पास 50 घंटे के धरने पर बैठ गए हैं। सांसदों का यह धरना बुधवार सुबह 11 बजे शुरू हुआ था जो शुक्रवार की दोपहर 1 बजे तक चलेगा। धरने में शामिल कुछ महिलाएं और बुजुर्ग सांसद शिफ्ट में इस प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। राज्यसभा से मंगलवार को विपक्ष के 19 सांसदों को सस्पेंड कर दिया गया था। इनमें से 7 सांसद सिर्फ टीएमसी के थे। वहीं बुधवार को आप सांसद संजय सिंह को निलंबित किया गया है। आप सांसद पर सदन में मंगलवार को नारेबाजी करते हुए चेयरमैन के आसन पर पेपर फेंकने का आरोप है। बुधवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने संजय सिंह को इस हफ्ते की बची हुई कार्यवाही के लिए निलंबित करने की घोषणा की। इस हफ्ते मानसून सत्र में

हंगामा करने वाले राज्यसभा के 20 और लोकसभा के 4 सांसदों पर निलंबन कार्रवाई की जा चुकी है।

राज्यसभा से से निलंबित किए गए सभी 20 सांसदों ने संसद में स्थित गांधी प्रतिमा के पास धरना देने का निर्णय लिया है। यह सभी सांसद 50 घंटे तक बारी-बारी धरना देकर अपने निलंबन का विरोध करेंगे।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने आप नेता के निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि मंगलवार को उन्होंने सदन की कार्यवाही के दौरान कुर्सी पर कागज फेंका। सिंह का निलंबन संसदीय मामलों के कनिष्ठ मंत्री वी. मुरलीधरन द्वारा कदाचार और सदन और पीठ के अधिकार की पूर्ण अवहेलना के लिए एक प्रस्ताव के बाद किया गया था। यह प्रस्ताव ध्वनिमत से किया गया। बता दें, संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई को शुरू हुआ और 12 अगस्त तक चलेगा। सत्र के दौरान 18 बैठकें होंगी।

5 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

बिजली गिरने से यूपी में 10, बिहार में 11 लोगों की मौत; आंध्र प्रदेश में 7 लोग बाढ़ में बहे

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर राज्यों में भारी बारिश हो रही है। कई जगहों पर बाढ़ के हालात हैं। पिछले 24 घंटों में बिजली गिरने से बिहार में 11 लोगों की, तो उत्तर प्रदेश में 10 लोगों की मौत हो गई। आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी में आई बाढ़ से अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है। राजस्थान के जोधपुर में पानी में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। मानसून की शुरुआत से अब तक गुजरात में 100 और महाराष्ट्र में भी 110 से अधिक लोगों की मौत हुई है। असम में इस साल बाढ़ और भूस्खलन के कारण 197 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में गोवा, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, राजस्थान और गुजरात के

कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। केरल, कर्नाटक, दिल्ली और हरियाणा में भी हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। जोधपुर के बावड़ी कस्बे में भारी बारिश के दौरान डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। बारिश के बाद अवैध खनन से बने गड्ढे में पानी भर गया था। यहां मंगलवार दोपहर पास की बस्ती के 5 बच्चे यहां नहाने चले गए थे। पानी में उतरते ही पांचों डूबने लगे। पास के लोगों ने एक बच्चे को बचा लिया, लेकिन बाकी चार डूब गए।

उत्तर प्रदेश : 30 जुलाई तक भारी बारिश होने का अनुमान

यूपी में मंगलवार शाम को कई शहरों में जोरदार बारिश हुई। कानपुर में इस मानसून की सबसे तेज बारिश हुई। यहां दो घंटे में 16 मीमी बारिश रिकॉर्ड की गई। घरों और फैक्ट्री तक में पानी घुस गया। उधर, तेज बारिश में आकाशीय बिजली गिरने से प्रदेश में 10 लोगों की मौत हो गई।

मध्य प्रदेश : 13 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

राज्य के कई जिलों में मंगलवार को मूसलाधार बारिश हुई। इसके बाद कई जगहों पर पानी भर गया। इसमें भोपाल, गुना, सागर, बैतूल शामिल हैं, यहां 1 इंच से ज्यादा पानी गिरा।

हिमाचल प्रदेश में बारिश अपना कहर बरपा रही है। कहीं बादल फट रहे हैं तो कहीं नालों में बाढ़ आ गई है। इससे चल अचल संपत्ति को 100 करोड़ से ज्यादा नुकसान हो चुका है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भारी बारिश के कारण होने वाली आपदाओं के प्रबंधन के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

तमिलनाडु में 15 दिनों में 5 स्टूडेंट्स ने किया सुसाइड

10 घंटे में दो स्टूडेंट्स फंदे पर लटके; इनमें एक 12वीं और दूसरी 11वीं की छात्रा

चेन्नई। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में बुधवार को 12वीं के एक छात्र ने घर पर फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। इससे पहले मंगलवार को ही शिवकाशी जिले में 11वीं की एक छात्रा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस के मुताबिक, कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। मामले की जांच के बाद ही जानकारी सामने आएगी। वहीं राज्य में पिछले 15 दिनों में स्टूडेंट्स की मौत का यह पांचवां मामला है। इसके पहले कल्लाकुरिची, तिरुवल्लूर, कुड्डालोर में भी 12वीं की तीन छात्राएं आत्महत्या कर चुकी हैं।

12 जुलाई को पहला सुसाइड केस

कल्लाकुरिची में चिन्ना सलेम में एक

प्राइवेट स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा श्रीमथी ने 12 जुलाई की रात हॉस्टल के टॉप फ्लोर से कूद कर आत्महत्या कर ली थी।

13 जुलाई की सुबह जब चौकीदार ने लड़की का शव देखा, तो स्कूल प्रबंधन और पुलिस को सूचना दी। लड़की को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस को मिले सुसाइड नोट में लड़की ने स्कूल के दो टीचर्स पर उसे और कुछ छात्रों को हर समय पढ़ने के लिए मजबूर करके प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। इसके बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन हुआ था, जिसमें पुलिस अधिकारियों सहित कई लोग घायल हो गए थे।

25 जुलाई को दूसरा सुसाइड केस

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के किलाचेरी में मंगलवार को एक प्राइवेट स्कूल के हॉस्टल में 12वीं की स्टूडेंट की लाश मिली थी।

इस खबर के सामने आते ही स्कूल कैम्पस में पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। मरने वाली लड़की का नाम पी सरला है।

17 साल की सरला के परिजन ने स्कूल पहुंचकर प्रदर्शन किया, उनका आरोप था कि स्कूल वालों ने समय पर इसके बारे में जानकारी नहीं दी। पीड़िता के माता-पिता और रिश्तेदारों ने ठक्कलूर में भी चकाजाम किया था।

25 जुलाई तीसरा सुसाइड केस

तमिलनाडु के कुड्डालोर में भी12वीं की छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी।12वीं की छात्रा के सुसाइड का ये15 दिन में तीसरा मामला है। पुलिस संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर रही गै। कुड्डालोर के एसपी एस शक्ति गणेशन ने बताया कि छात्रा ने घरेलू मुद्दों के कारण अपने घर पर आत्महत्या की है। सोमवार रात हुई इस घटना के बाद परिजन उसे विरुधाचलम कॉमन हॉस्पिटल लेकर गए, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी।

लड़की की मां इलावरसी ने बताया था कि वह विरुधाचलम के नॉर्थ पेरियार नगर में शक्ति मैट्रिकुलेशन प्राइवेट स्कूल में पढ़ती थी। वह बहुत प्रतिभाशाली थी लेकिन पिछले कुछ दिनों से काफी तनाव में थी क्योंकि वह ठीक से पढ़ाई नहीं कर पा रही थी।

अर्पिता चटर्जी के घर फिर मिला 20 करोड़ कैश

अभी गिनती जारी, डेढ़ करोड़ का गोल्ड भी जब्त; 4 दिन पहले मिले थे 22 करोड़ रुपए

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के शिक्षक घोटाले में अर्पिता चटर्जी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को एक बार फिर उसके बेलघरिया स्थित फ्लैट पर छापा मारा जिसमें बड़ा कैश मिला है। बुधवार को हुई छापेमारी में अब तक 20 करोड़ रुपए की गिनती हो चुकी है। जांच एजेंसी की निगरानी में अभी भी कैश की गिनती जारी है। नोट गिनने के लिए तीन मशीनें लगाई गई हैं। इसके अलावा बड़ी मात्रा में ज्वेलरी भी मिली है। सूत्रों के मुताबिक, अर्पिता के सेल्फ से तीन किलो सोना जब्त किया गया है। इसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ के आसपास है। कुल मिलाकर अब तक 41 करोड़ कैश और ढाई करोड़ की ज्वेलरी जब्त की जा चुकी है।

अब तक 41 करोड़ रुपए कैश बरामद

बता दें कि 23 जुलाई को भी ईडी ने मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों पर छापा मारा था।

अर्पिता के घर 21 करोड़ रुपए कैश और 1 करोड़ रुपए की ज्वेलरी मिली थी। 500 और 2000 रुपए के नोटों के ढेरों बंडल को एक कमरे में झोले और बैग में ठूंस-ठूंस कर रखा गया था। एजेंसी को दस्तावेज भी मिले थे। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

कुल मिलाकर अब तक अर्पिता के घर से 41 करोड़ कैश रिकवर किए जा चुके हैं। कैश की गिनती अभी भी जारी है। इसके अलावा भारी संख्या में ज्वेलरी भी मिली है। जांच एजेंसी अभी इसका आंकलन कर रही है।

इधर, ईडी अर्पिता के बेलघरिया टाउन क्लब स्थित दो में से एक फ्लैट को सील कर दिया है। नोटिस में अर्पिता पर 11,819 रुपए मैंटेनेंस नहीं चुकाने की वजह बताई गई है।

बुधवार को पांच ठिकानों पर हुई छापेमारी

ईडी ने बुधवार को मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों पर फिर छापा मारा। रिपोर्ट्स के मुताबिक पार्थ और अर्पिता के 5 ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा है। श्वष्ठ की टीम ने कोलकाता और उसके आसपास पांच जगहों, उत्तर 24 परगना जिले के बेलघरिया और राजडांगा में बने अर्पिता के ऑफिस, रिश्तेदारों के घर और बाकी फ्लैट्स पर भी छापा मारा।

गुजरात में जहरीली शराब से अब तक 57 की मौत

131 लोगों ने पी थी शराब, 15 की हालत गंभीर; अहमदाबाद से हो रही थी केमिकल की सप्लाई

एजेंसी

भावनगर। गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से अब तक 57 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 15 लोग गंभीर रूप से बीमार हैं।

सोमवार को इस केस में 10 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने देर रात शराब बनाने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सूत्रों के मुताबिक मुख्य आरोपी ने पूछताछ में बताया कि शराब फैक्ट्री में मेथनॉल की आपूर्ति की जा रही थी। ये केमिकल अहमदाबाद से सीधे सप्लाई किया जाता था। इधर, जिले के प्रभारी मंत्री वीनू मोरदिया ने कहा है कि दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्य में शराबबंदी, फिर कैसे बिक रही शराब?

मंत्री वीनू मोरदिया ने भास्कर के इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि ये घटना दुखद है और शर्मनाक।

हम इसकी जांच करेंगे कि शराबबंदी के बावजूद राज्य में शराब कैसे और कौन बेच रहा है? गुजरात में 1960 से ही शराबबंदी लागू कर दी गई थी। 2017 में गुजरात सरकार ने शराबबंदी से जुड़े कानून को और कठोर कर दिया था। इसके तहत अगर कोई गैरकानूनी तरीके से शराब की बिक्री करता है, तो उसे 10 साल कैद और 5 लाख रुपए जुर्माने की सजा हो सकती है।

जांच के लिए एसआईटी का गठन

सरकार ने जांच के लिए एसआईटी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में पूरे मामले की जांच सौंपी है। इसके लिए एसआईटी का गठन किया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि रोजिंद, अणीयाणी, आकरु, चंदरवा और उंचडी गांव के लोग इसकी चपेट में आए हैं।

बोटाद पुलिस के मुताबिक जहरीली शराब का शिकार हुए सभी लोगों ने रविवार की रात रोजिद के पास बसे नभोई गांव में जाकर शराब पी थी। सोमवार सुबह सभी को पेट दर्द और उल्टियां होने लगीं। परिवार के लोग इन्हें अस्पताल ले गए। दो लोगों की सुबह ही मौत हो गई थी, इसके बाद इलाज के दौरान एक-एक करके 6 और लोगों ने दम तोड़ दिया।

संघ, विहिप कार्यालय बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नयी दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले एक व्यक्ति को आज गिरफ्तार किया गया है। विहिप के सह प्रचार प्रसार प्रमुख सुमित अलघ ने यहां बताया कि विहिप के झण्डेवाला देवी मंदिर स्थिति दिल्ली प्रांत कार्यालय में एक व्यक्ति लगभग दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर आकर प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता से कहने लगा -'पूरी बिल्डिंग बम से उड़ा दी जायेगी हमारे आका ने तय कर रखा है।' यह धमकी देने के बाद उस व्यक्ति भागने की कोशिश की लेकिन कार्यकर्ताओं ने उसे पकड़ लिया और फिर 100 नम्बर पर फोन करके पुलिस को बुलाया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

वैक्सीन के लिए केंद्र ने कंपनियों से प्रस्ताव मांगे

नई दिल्ली। 80 देशों में दहशत फैलाने वाला मंकीपॉक्स अब भारत में धीरे-धीरे ही सही पर पांव पसारने लगा है। देश में अब तक 4 केस की पुष्टि हो चुकी है। बुधवार को दिल्ली में एक और संदिग्ध की पहचान हुई है। यानी देश में अब तक 4 संदिग्ध सामने आए हैं। इस सभी के सैंपल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे भेज दिया गया है। हालांकि, अभी तक रिपोर्ट नहीं आई है।

मंकीपॉक्स से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने भी तैयारी शुरू कर दी है। केंद्र ने वैक्सीन मेकर कंपनियों से कहा है कि वो सबसे पहले मंकीपॉक्स के लिए डाइग्नोस्टिक किट्स तैयार करे, ताकि इस रोग की पहचान जल्द और सटीक हो सके।

इसके साथ ही बीमारी से निपटने के लिए वैक्सीन भी तैयार करना जरूरी है। इस पर भी तेजी से काम किया जाए। इसके लिए ICMR ने कंपनियों से प्रस्ताव भी मांगे हैं।

केरल में मिला पहला केस

देश में मंकीपॉक्स का पहला केस 14 जुलाई को केरल के कोल्लम में मिला था। इसके बाद केरल में ही क्रमशः 18 और 22 जुलाई को दूसरे और तीसरे केस की पुष्टि हुई थी। ये तीनों खाड़ी देशों से लौटे थे। इसके बाद 25 जुलाई को दिल्ली में चौथे केस की पुष्टि हुई थी।

हालांकि इस मरीज की कोई ट्रेवल हिस्ट्री नहीं है। वह मनाली से पार्टी करके लौटा था। वहीं अब तक तेलंगाना, बिहार, यूपी और दिल्ली में 4 संदिग्धों की पहचान की गई है। इनके सैंपल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे भेज दिया गया है।

देश में एक दिन में कोरोना से 57 लोगों की हुई मौत

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के लगातार घटते -बढ़ते मामलों के बीच बीते 24 घंटे में इस बीमारी से 57 और लोगों की मौत हो गयी है जिससे इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 526167 हो गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 202.79 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं, इनमें पिछले 24 घंटे में दिए 27,37,235 टीके भी शामिल हैं।

मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान देश में

कोरोना के 18,313 नए मामले सामने आने से कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,39,38,764 हो गयी है। सक्रिय मामले 2486 घटकर 145026 रह गये है।

देश में कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आने के साथ साप्ताहिक दर 4.57 प्रतिशत हो गयी है, जबकि दैनिक संक्रमण 3.31 फीसदी है। रिकवरी दर 98.47 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है।

पिछले 24 घंटे में 4,25,337 कोविड परीक्षण किये गये हैं और अब तक कुल 87.36 करोड़ कोविड परीक्षण किए जा चुके हैं।

पश्चिम बंगाल में पिछले 24 घंटों में कोरोना सक्रिय मामले 1370 घटकर 21287 रह गये हैं और इससे निजात पाने वालों की संख्या 2045094 हो गयी है। इस महामारी से सात और मरीजों की मौत होने से अभी तक राज्य में 21334 लोगों की मौत हो चुकी है।

हत्या | **युवा मोर्चा के प्रवीण ने कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में पोस्ट की थी, 10 आरोपी हिरासत में**

कर्नाटक में भाजपा नेता की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

बेंगलुरू। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में भाजपा नेता प्रवीण नेट्टार की मंगलवार को कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। प्रवीण भाजपा युवा मोर्चा के जिला सचिव थे।

प्रवीण ने 29 जून को राजस्थान में मारे गए कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। अब तक 10 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। मामले में कर्नाटक के गृहमंत्री अरगा जनेंद्रा ने CM बसवराज बोम्मई से मुलाकात की है। बोम्मई ने कहा कि दोषियों को

जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर केस राष्ट्रीय जांच एजेंसी को भी सौंपा जा सकता है।

हत्या के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुत्तूर में प्रदर्शन किया, जो देर रात तक चलता रहा। आज भी दक्षिण कन्नड़ बंद बुलाया है। जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। उग्र भीड़ ने भाजपा सांसद नलिनकुमार कतिल की कार को पलटने की कोशिश भी की। गुस्साई भीड़ ने नारे लगाए 'वी वांट जस्टिस'।

प्रदर्शनकारियों ने कुछ जगह पर सरकारी बसों पर पथराव किया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। पुत्तूर से मेंगलुरु जा रही एक बस पर बोलवार में पथराव किया गया जिससे बस डैमेज हो गई।

इलाके में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 4 टीमें गठित की हैं। यह जिला केरल से लगा हुआ है। इसलिए वहां की पुलिस से भी मदद ली जा रही है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व सीएम सिद्दारमैया ने पुलिस से मांग की है कि दोषियों को बिना किसी भेदभाव के गिरफ्तार किया जाए।

दुकान पर ही हुई हत्या

पुलिस के मुताबिक दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्लारे इलाके में प्रवीण की पोल्ट्री की दुकान है। मंगलवार को जब प्रवीण दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तभी बाइक पर कुछ लोग आए और उनका रास्ता रोक लिया। उन्होंने कुल्हाड़ी से प्रवीण पर हमला कर दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस वहां पहुंची और प्रवीण को अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रवीण का शव उनके पैतृक गांव नेत्तरू लाया गया।

शार्ट न्यूज

वहलांग बनेंगे मेघालय के नये मुख्य सचिव

शिलांग। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी डोनाल्ड फिलिप्स वहलांग को मेघालय का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। वह रेबेका वैनेसा सुचियांग का स्थान लेंगे, जो 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रही हैं। श्री वहलांग वर्तमान में मेघालय एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक और गृह (राजनीतिक और पुलिस) विभाग, सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग और शिक्षा विभाग के प्रभारी अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। वह 1978 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और उन्हें असम-मेघालय कैडर आवंटित किया गया। उन्होंने विभिन्न विभागों में कार्य किया। वह पूर्वी खासी हिल्स जिले के उपायुक्त भी रहे, जिसमें राज्य की राजधानी शिलांग भी शामिल है।

सोनिया से पूछताछ के विरोध में युवा कांग्रेस का धरना

जालंधर। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछताछ के विरोध में युवा कांग्रेस ने बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दफ्तर के समक्ष धरना दिया। कूल रोड स्थित ईडी दफ्तर के बाहर पंजाब युवा कांग्रेस के प्रधान बरिंदर सिंह ढिल्लों, जिला प्रधान शहरी अंगद दत्ता और देहाती इकाई के प्रधान हनी जोशी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार ईडी को निजी हितों के लिए इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजनीतिक रंजिश के तहत विपक्षी दलों को परेशान किया जा रहा है। युवा कांग्रेस के नेताओं के साथ जिला कांग्रेस के प्रधान बलराज ठाकुर और देहाती इकाई के प्रधान दर्शन सिंह टाहली भी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में एक की मौत, 20 घायल

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला के उपनगर हीरानगर के समीप बुधवार को एचआरटीसी की बस खाई में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए। इनमें से 16 मरीजों को उपचार के लिए आईजीएमसी भेज दिया है। एचपी स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के प्रवक्ता ने आज यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि एचआरटीसी की बस शिमला से नगरोटा बगवां जा रही थी। हीरानगर के पास बस अचानक खाई में गिर गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। उन्होंने बताया दो यात्री बस के नीचे फंसे हुए हैं। उन्हें बाहर निकालने का प्रयास जारी है। 16 मरीज उपचार के लिए आईजीएमसी अस्पताल लाए गए हैं। हादसे के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। करीब पौने घंटे से दो यात्री बस में फंसे हुए हैं। बताया जा रहा है कि ये बच्चे हैं। फिलहाल जानी नुकसान की खबर नहीं है। अलबत्ता ये भी बताया जा रहा है कि 20 में से कुछ को गंभीर चोटें आई हैं। हिमाचल प्रदेश स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक बस में में चालक परिचालक सहित 26 यात्री सफर कर रहे थे। पुलिस, प्रशासन और एंबुलेंस मौके पर हैं। हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

पाकिस्तानी ड्रोन ने अमृतसर के स्कूल में गिराई पांच किग्रा हेरोइन

अमृतसर। पाकिस्तानी ड्रोन ने भारतीय क्षेत्र में तीन किलोमीटर अंदर घुसकर नेष्टा गांव के डीएवी पब्लिक स्कूल के मैदान में मंगलवार की देर रात हेरोइन की खेप गिराई।सूचना मिलते ही पुलिस ने छापामारी कर स्कूल के मैदान से पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद कर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस मामले में कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि खुफिया शाखा को जानाकरी मिली थी कि कुछ भारतीय तस्कर पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में हैं। वह ड्रोन द्वारा मंगलवार की रात नेष्टा गांव में हेरोइन की खेप गिराने वाले हैं। इसके बाद पुलिस ने हवा मार्ग पर नजर रखनी शुरू कर दी। रात लगभग डेढ़ बजे पाकिस्तान की तरफ से उड़ते आ रहे ड्रोन ने नेष्टा गांव स्थित डीएवी स्कूल के मैदान में हेरोइन के नौ पैकटों की खेप गिरा दी और उसके बाद ड्रोन पाकिस्तान की तरफ चला गया। पुलिस ने ड्रोन को गिराने के लिए उसपर फायरिंग भी की। लेकिन वह किसी तरह पाकिस्तान की सीमा में चला गया। उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से पाकिस्तान लगातार पंजाब में हेरोइन और हथियारों की खेप भेजने की फिराक में रहता है।

कलाम ने भारत को रक्षा क्षेत्र में मजबूत किया

सिरसा। हरियाणा के सिरसा लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. अशोक तंवर ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की सातवीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। डॉ. तंवर आज सिरसा निवास पर कार्यकर्ताओं से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भारत को रक्षा के क्षेत्र में मजबूत बनाने की दिशा में जो काम किया वह सदैव याद किया जाएगा। साथ ही उन्होंने भारत में शिक्षा व्यवस्था को नए आयाम दिए। राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने देश को आगे ले जाने में जो योगदान दिया वह अनुकरणीय है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि पंचायत चुनावों कभी भी हो सकते हैं, इसलिए हर कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ अपने अपने क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को तेज करे। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। अवैध खनन माफिया की हिम्मत इतनी बढ़ गई है कि पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) स्तर के अधिकारी को डंपर से कुचल डालते हैं और सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती। प्रदेश में बेरोजगारों की फौज इकट्ठी हो गई है। देश में हरियाणा पहला राज्य है जहां बेरोजगारी दर 40 फीसदी पहुंचने को है।

अवैध खनन के 70 प्रकरण दर्ज कर 28 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रदेश व्यापी अभियान में पुलिस ने 70 प्रकरण दर्ज कर 28 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 9096 टन बजरी एवं 4 टन पत्थर समेत 111 वाहन जब्त किए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था हवा सिंह घुमरिया ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध 22 जुलाई से प्रदेश व्यापी अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान की निरंतरता में उदयपुर रेंज में पुलिस ने 21 मुकदमे दर्ज कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। साथ ही 6530 टन बजरी और 29 वाहन जिनमें 15 डम्पर, 5 पोकलैंड मशीन, 2 जेसीबी एवं 7 ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की गई। उन्होंने बताया कि जोधपुर रेंज में 9 मुकदमे दर्ज कर 8 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 32 टन बजरी व 20 टन पत्थर के साथ 9 वाहन जिनमें 8 ट्रैक्टर ट्रॉली एवं 1 डंपर जप्त किया गया। बीकानेर रेंज में तीन मुकदमे दर्ज कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 12 टन बजरी एवं तीन ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की गई। जयपुर रेंज में 7 मुकदमे दर्ज कर 8 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 28 टन बजरी और 8 टन पत्थर समेत 17 वाहन जिनमें 15 ट्रैक्टर ट्रॉली एवं एक जेसीबी व एक डम्पर जब्त किया गया। इसी प्रकार अजमेर रेंज में 22 मुकदमे दर्ज कर 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। 166 टन बजरी एवं 8 टन पत्थर एवं 22 वाहन जिनमें 15 ट्रैक्टर ट्रॉली, 4 ट्रेलर और तीन डंपर जप्त किए गए। भरतपुर रेंज में 4 मुकदमे दर्ज कर 5 टन बजरी एवं 5 वाहन जिनमें 2 हाइड्रा डंपर व 1-1 ट्रक, एलएनटी व ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की गई।

छह लड़कियों को किया गया दस्तयाब

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के खेरली थाना क्षेत्र से लापता हुई तीन बहनों को मात्र छह घंटे के अंदर पुलिस ने जयपुर से दस्तयाब कर लिया। इसके अलावा पूर्व में गुम हुई तीन अन्य लड़कियों को अलग-अलग स्थानों से दस्तयाब किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मंगलवार को खेरली थाना क्षेत्र से एक साथ तीन बहने लापता हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना खेरली आईसी जगजीवन राम के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कि जाकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते लापता तीनों बहनों को मात्र 6 घंटों के अंदर जयपुर से दस्तयाब किया तथा पूर्व से लापता तीन अन्य लड़कियों में से एक को गुजरात से व 2 को अन्य अलग-अलग स्थानों से दस्तयाब किया गया।

मंकीपॉक्स से निपटने की तैयारी तेज

सरकार ने निकाला वैक्सीन बनाने का टेंडर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ऐक्शन मोड में आ गई है। सरकार ने मंकीपॉक्स की वैक्सीन डिवेलप करने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्य या टेंडर निकाला है। इसके अलावा मंकीपॉक्स की जांच के लिए टेस्टिंग किट का भी टेंडर निकाला गया है। वैक्सीन और टेस्टिंग किट प्राइवेट-पब्लिक पार्टनरशिप मोड से बनाई जाएगी। बता दें कि अब तक देश में मंकीपॉक्स के चार कन्फर्म केस मिल चुके हैं। इनमें से तीन केरल में और एक दिल्ली में है। दिल्ली में पाया गया मंकीपॉक्स का पहला मरीज एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह रिकवर हो रहा है।

सरकार की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक 10 अगस्त तक कंपनियां EoI जमा कर सकती हैं। बता दें कि मंकीपॉक्स के कई संदिग्ध केस भी मिले हैं। इनका सैंपल टेस्ट के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि वे वायरस से संक्रमित हैं या नहीं।

ICMR ने अपने बयान में कहा, हालांकि मंकीपॉक्स के लिए वन वैक्सीन और वन स्पेसिफिक ट्रीटमेंट को मंजूरी पहले भी दी जा चूकी है लेकिन इस सामग्री की उपलब्धता अभी बहुत कम है। 2019 में भी मंकीपॉक्स की रोकथाम के लिए वैक्सीन को मंजूरी दी गई थी। यह दो डोज वाली वैक्सीन है लेकिन बहुत कम उपलब्ध है।

कई राज्यों ने जारी किया अलर्ट

WHO ने इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है इसके बाद देश के कई राजों ने अलर्ट जारी कर दिया है। झारखंड के स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिए हैं कि अस्पतालों में आइसोलेशन वॉर्ड बनाए जाएं और मरीजों का ध्यान रखा जाए कि कहीं मंकीपॉक्स के लक्षण तो नहीं हैं। वहीं जो लोग विदेश यात्रा से लौटें वे तुरंत जांच करवाएं। उत्तराखंड में भी मंकीपॉक्स को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तर प्रदेश में कोविड अस्पतालों में मंकीपॉक्स के लिए भी 10 बेड रिजर्व कर दिए गए हैं। इसके अलावा अडवाइजरी जारी करके वायरस और लक्षण के बारे में जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को तैयार किया जा रहा है। मध्यर प्रदेश में भी मंकीपॉक्स को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

बडगाम में मिली करीब 1200 साल पुरानी मूर्ति

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में 1200 साल पुरानी भगवान विष्णु की मूर्ति मिली है। तीन सिर वाली भगवान विष्णु की इस मूर्ति में उनकी चार भुजाएं हैं और दाहिने हाथ में कमल का पुष्प लिए हुए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने को बताया कि यह मूर्ति नौवीं शताब्दी (लगभग 1200 वर्ष पुरानी) की है। पुलिस ने बताया कि बडगाम के गुडसाथू के स्थानीय लोगों ने मंगलवार दोपहर पुलिस को सूचित किया कि उन्हें जमीन की खुदाई के दौरान कुछ मूर्ति मिली है। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मूर्ति को अपने कब्जे में ले लिया है।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा, आज अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय की टीम को बरामद मूर्ति की जांच के लिए बुलाया गया था। जिन्होंने जिला पुलिस मुख्यालय बडगाम में रिपोर्ट की और मूर्ति की जांच के बाद बताया कि बरामद मूर्ति भगवान विष्णु की है।

उन्होंने कहा, बरामद मूर्ति तीन सिर वाली है और चार भुजाओं के साथ दाहिने हाथ में कमल का पुष्प है। यह मूर्ति गांधार और मथुरा कला शैली का मिश्रण है।

एनएलएफटी की गतिविधियों को लेकर सतर्क है त्रिपुरा पुलिस

अगरतला। त्रिपुरा पुलिस ने बंगलादेश के चटगांव पहाड़ी क्षेत्रों से राज्य में आए प्रतिबंधित संगठन नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के दो समूहों के सदस्यों को पकड़ने के लिए तीन दिनों से राज्य के पूर्वी हिस्से में कालाझारी और अथारमुरा रेंज में बड़े पैमाने पर घेराबंदी तथा तलाश अभियान शुरू किया है। पुलिस के अनुसार पिछले एक सप्ताह से लेबजॉय त्रिपुरा के नेतृत्व में पांच सदस्यीय गिरोह त्रिपुरा के पूर्वी हिस्से ढलाई में तथा चौमानू के मणिपुर इलाके में घूम रहा है। वहीं एक अन्य गिरोह गोमती जिले के अम्पी-तैदु इलाके में तीर्थ कुमार मोलसोम के नेतृत्व में काम कर रहा है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जाहिर है, वे नए कैडरों की भर्ती करने और स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के मिशन पर हैं। एनएलएफटी स्वतंत्रता दिवस को काला दिवस मनाने के लिए नागरिकों को परेशान करने के लिए कुछ शरारत करता है। हालांकि, हम हर तरफ से उनका पीछा कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

पैतृक गांव में भाजपा नेता का अंतिम संस्कार

आखिरी विदाई पर जुटी भारी भीड़; कर्नाटक में बवाल

बेल्लारे। कर्नाटक भाजपा के मृतक कार्यकर्ता प्रवीण नेत्तारु का बुधवार को उनके पैतृक स्थान पर अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान हजारों की भीड़ उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए इकट्ठा हुई। हत्या से गुस्साए लोग नारेबाजी करते हुए प्रवीण के शव को एम्बुलेंस से उनके पैतृक स्थान नेत्तारु लेकर गए थे। भीड़ में कई लोगों ने हाथ में भगवा झंडा थामा हुआ था। वे ''हम न्याय चाहते हैं'' के नारे लगा रहे थे। गौरतलब है कि मंगलवार रात को जिला भाजपा युवा मोर्चा समिति के सदस्य प्रवीन नेत्तारु की बेल्लारे में उनकी

दुकान के सामने मोटरसाइकिल पर आए अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी थी। हत्या के बाद से पूरे कर्नाटक में भारी बवाल जारी है।

दक्षिण कन्नड़ जिले में भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के सदस्य की हत्या के बाद बुधवार को कई स्थानों पर तनाव उत्पन्न हो गया। कई जगहों पर पथराव और पुलिस लाठीचार्ज की खबरें आयी हैं। संघ परिवार ने हत्या के विरोध में बुधवार को पुत्तुर, कदाबा और सुलिया तालुक में बंद का आह्वान किया है।

पुलिस ने बताया कि दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्लारे का रहने वाला नेत्तारू मंगलवार देर शाम को अपनी दुकान बंद करने के बाद घर जा रहा था, तभी अज्ञात हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया। उसने बचकर भागने की कोशिश की लेकिन सिर पर वार किए जाने के कारण वह जमीन पर गिर गया।

स्थानीय निवासियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और खून से लथपथ नेत्तारू को अस्पताल लेकर गयी, जहां चिकित्सकों ने बताया कि अस्पताल लाने से पहले ही उसकी मौत हो गयी है।

विभिन्न हिंदू संगठनों के सैकड़ों युवा कार्यकर्ता ''हम न्याय चाहते हैं'' के नारे लगाते हुए बेल्लारे में एकत्रित हो गए। पुलिस को पथराव की घटनाओं के बाद उग्र भीड़ को काबू में करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

हैदराबाद गैंगरेप मामले में आरोपी चार नाबालिगों को मिली जमानत

भाजपा ने केसीआर पर लगाए थे बचाने के आरोप

हैदराबाद। हैदराबाद गैंगरेप मामले में आरोपी चारों नाबालिगों को जमानत मिल गई है। एक महीने पहले गैंगरेप की घटना के बाद तेलंगाना में काफी सियासी घमासान देखने को मिला था। जून के पहले सप्ताह से इन आरोपियों को जुवेनाइल होम में रखा गया था। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने आरोपियों को जमानत दी है। चारों आरोपियों के निर्देश दिए गए हैं कि वे जांच में सहयोग करें और समय पर डिस्ट्रिक्ट प्रोबेशन ऑफिसर के पास हाजिर होते रहें।

आरोपियों से कहा गया है कि उन्हें हर महीने के पहले सोमवार को डिस्ट्रिक्ट प्रोबेशन ऑफिसर के पास हाजिर होना है। इस मामले में गिरफ्तार पांचवें

नाबालिग आरोपी को अभी जुवेनाइल होम में ही रहना होगा. उसने तेलंगाना हाई कोर्ट में जमानत याचिका लगाई है। इस मामले में एक ही आरोपी बालिग है जिसका नाम सादुद्दीन मलिक है। वह जेल में है।

बता दें कि हैदराबाद के जुबिली हिल इलाके में कार में 17 साल की लड़की के साथ गैंगरेप किया गया था। इस मामले में कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया था जिनमें से पांच नाबालिग थे। नाबालिग आरोपी कक्षा 11 और 11 के विद्यार्थी हैं और राजनीतिक पहुंच रखने वाले परिवार से हैं। एक पब में पार्टी के बाद लड़की पांच लड़कों के साथ कार में सवार हुई थी। पुलिस का कहना है कि ये नाबालिग आरोपी लड़की के साथ छेड़छाड़ कर रहे थे लेकिन वे रेप में शामिल नहीं थे। उन लड़कों ने उसे घर छोड़ने की बात कही थी। इसके बाद वे एक पेस्ट्री कॉफी शॉप पर गए। यहां से वे सब एक इनोवा में सवार हो गए। पुलिस ने पहले लड़की के पिता की शिकायत पर दुर्व्यवहार की शिकायत दर्ज की थी जो कि बाद में रेप केस में बदली गई।

मलिक के स्वास्थ्य को लेकर एपीएचसी ने जतायी गंभीर चिंता

श्रीनगर। कश्मीरी अलगाववादी समूह ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस ने बुधवार को प्रतिबंधित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के अध्यक्ष मोहम्मद यासीन मलिक के 'स्वास्थ्य और सुरक्षा' के संबंध में मीडिया में आई खबरों पर गहरी चिंता व्यक्त की। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार मलिक को तिहाड़ जेल में तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। निष्पक्ष सुनवाई नहीं होने के विरोध में वह शुक्रवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। एपीएचसी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के नेतृत्व को या तो नजरबंद कर दिया गया या जेलों में कैद कर दिया गया है, जो न केवल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि 'गैरकानूनी' भी है।

कुलगाम मुठभेड़ : एक जवान शहीद, आतंकवादी भागने में कामयाब

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार तड़के हुई मुठभेड़ में घायल हुए सेना के जवान की मृत्यु हो गई, जबकि आतंकवादी सुरक्षाबलों को चकमा देकर भागने में कामयाब रहे।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि यारिपोरा के ब्राइहार्ड कठपोरा गांव में एक घर में दो आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने घेराबंदी एवं तलाश अभियान शुरू किया।

उन्होंने कहा, जब संयुक्त बल आतंकवादियों के छिपे होने वाले घर की चारों ओर से घेराबंदी कर रहे थे, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी और जिससे एक सैनिक घायल हो गया। बाद में सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की लेकिन आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गये।

उन्होंने बताया कि घायल जवान को बाद में पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गयी।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में कुलगाम में यह दूसरा अभियान है, जहां आतंकवादी सुरक्षा बलों का घेरा तोड़ने में कामयाब रहे।

रविवार को रामपोरा इलाके में मुठभेड़ के बाद दो आतंकवादी भी फरार हो गए थे। केंद्र शासित प्रदेश इस साल जुलाई महीने में अलग-अलग मुठभेड़ों के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए, जबकि सुरक्षा बलों के तीन जवान शहीद हुए।

भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने को गढ़े जा रहे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ संबंध : लेखी

बेंगलूरू। विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा है कि भारत को विश्वगुरु (मार्गदर्शक) के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए सरकार अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद द्विपक्षीय संबंध विकसित करने का पूरा प्रयास कर रही है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत आर्थिक और सैन्य रूप से दुनिया के सबसे प्रभावशाली देशों में से एक के रूप में उभरने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हमें संसार की बेहतर समझ और दुनिया को मनुष्यता के वास्तविक लक्ष्यों का अनुभव करने के लिए अपनी आध्यात्मिक विरासत और दर्शन के साथ पुन: एक बार गहराई से जुड़ने की आवश्यकता है। लेखी बेंगलूरु के समीप स्थित सत्य साई ग्राम, मुद्देनहल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को वीडिया कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रही थीं। बैठक में मंगोलिया, रवांडा, गुयाना, पेरू, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा कजाकिस्तान के राजनयिक भी शामिल थे। उन्होंने भारत सहित सम्पूर्ण विश्व में अनेक नि:शुल्क स्वास्थ्य और शैक्षणिक केंद्र परिचालित करने वाले श्री सत्य साई मानव अभ्युदय विश्वविद्यालय के ट्रस्ट की भूमिका की सराहना की। उन्होंने इस बात का उल्लेख करते हुए कहा, श्री सत्य साई लोक सेवा गुरुकुलम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस इसके 27 परिसरों में ग्रामीण क्षेत्रों के 5000 बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करता है।

बाबा बफार्नी के दर्शनार्थ श्रद्धालुओं का नया जत्था रवाना

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों से अमरनाथ तीर्थयात्रियों के पांच हजार लोगों का नया जत्था पवित्र गुफा में बाबा बफार्नी के दर्शन करने के लिए बुधवार को रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि आज सुबह 11 बजे तक 3225 यात्रियों ने बाबा बफार्नी के दर्शन किये। उन्होंने कहा कि 30 जून से तीर्थयात्रा शुरू होने के बाद से अब तक गुफा मंदिर में पूजा करने वालों की कुल तीर्थयात्रियों की संख्या 2,79,047 तक पहुंच गयी है।

आज शुष्क मौसम और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के बीच श्रद्धालुओं के नए जत्थों को दक्षिण कश्मीर में पारंपरिक नुनवान पहलगाम आधार शिविर और गंदेरबल जिले के

दुमैल के सबसे छोटे मार्ग बालटाल से पवित्र गुफा की ओर आगे बढ़ने की अनुमति दी गई। इससे पहले दिन में 578 महिलाओं, तीन साधुओं और 29 बच्चों सहित 1455 तीर्थयात्री बालटाल से दुमैल होते हुए पवित्र गुफा में स्वनिर्मित हिम शिवलिंग के दर्शन करने के लिए रवाना हुए। इसके अलावा आज सुबह 11 बजे तक 551 तीर्थयात्रियों को भी बालटाल से पवित्र गुफा में पूजा-अर्चना करने के लिए हेलीकॉप्टर से पहुंचाया गया। करीब 3,500 से अधिक तीर्थयात्रियों को पहलगाम में पारंपरिक नुनवान आधार शिविर से और दक्षिण कश्मीर में चंदनवाड़ी तथा पंजतरणी के पड़ाव पर जाने की अनुमति दी गई।

कश्मीर मौसम के बारे में पूर्वानुमान में बताया गया है कि पवित्र गुफा की ओर जाने वाले पहलगाम और सोनमर्ग दोनों मार्गों पर बारिश हो सकती है। दोपहर से शाम के बीच भी तेज बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

मंगलवार को गुफा मंदिर के पास भारी बारिश होने के कारण अमरनाथ यात्रा दोपहर में कुछ समय के लिए अस्थायी रूप से रोक दी गई थी। भारी बारिश होने के कारण अचानक बाढ़ आ गई थी। जिसके कारण अधिकारियों को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अधिकारियों ने अलर्ट जारी किया और लगभग 4,000 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया। मौसम में सुधार होने के तुरंत बाद यात्रा को फिर से बहाल कर दिया गया।

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अंतर्राज्यीय गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड पुलिस ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर नशे के सौदागरों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने छत्तीसगढ़ के सुकमा से लेकर उत्तराखंड तक फैले एक अंतर्राज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है और आरोपियों से 1.55 कुंतल गांजा भी बरामद किया है।

उधमसिंह नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विशेष अभियान समूह (एसओजी) की ओर से नशे के सौदागरों के खिलाफ कुछ समय पहले बड़ी कार्रवाई शुरू कर रूद्रपुर के राकेश साहनी नामक गिरोह का पर्दाफाश किया गया था। इस गिरोह के तार छत्तीसगढ़ के सुकमा के दुर्गम इलाके से लेकर उत्तराखंड के तराई तक फैले थे। गिरोह योजनाबद्ध तरीके से गांजा की तस्करी में लगा था।

एसओजी उधमसिंह नगर इस गिरोह के सरगना राकेश साहनी उर्फ पेंटर निवासी भूरारानी, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर को पहले गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। गिरोह के अन्य सदस्यों में राकेश साहनी का भाई रमेश साहनी, भतीजा मुकेश साहनी भी शामिल हैं। इनके खिलाफ उधमसिंह नगर के सितारगंज, रूद्रपुर और ट्रांजिट कैम्प थानों में गांजा तस्करी के मामले में चार मामले दर्ज हैं। अदालत ने दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किये हैं। गिरोह का एक सदस्य रमेश साहनी पहले छत्तीसगढ़ के सुकमा में रहता था और तभी से उसके तार नशे के सौदागरों से रहे हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन बाकी सदस्य फरार थे। उधमसिंह नगर एसओजी के लिये आरोपियों को पकड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रहा था।

इसके बाद उत्तराखंड की एसओजी की ओर से उप्र और मध्यप्रदेश की एसओजी से सम्पर्क किया गया और गिरोह के बाकी सदस्यों को पकड़ने के लिये आगरा और मुरैना एसओजी के साथ मिलकर जाल फैलाया गया।

राजस्थान में बुधवार को कोरोना के 268 नये मामले सामने आये

जयपुर। राजस्थान में कोरोना के बुधवार को 268 नये मामले सामने आये जिससे प्रदेश में इसके सक्रिय मरीजों की संख्या अठारह सौ को पार गई। चिकित्सा विभाग के अनुसार पिछले चौबीस घंटों में नये मामलों में 36 की वृद्धि हुई। नये मामलों में सर्वाधिक 97 मामले जयपुर में सामने आए जबकि अलवर जिले में 26, जोधपुर में 20, अजमेर एवं सिरोही में 13-13, उदयपुर में 12, बांसवाड़ा एवं दौसा में 11-11, बीकानेर में 10, भीलवाड़ा में आठ, जैसलमेर एवं नागौर में सात-सात, कोटा में छह, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, चुरु एवं झालावाड़ में पांच-पांच, जालोर में तीन, भरतपुर, गंगानगर, टोंक एवं सीकर में जिले में एक नया मामला सामने आया।

भ्रष्टाचार को रोकने में विफल है ओडिशा सरकार: विपक्ष

भुवनेश्वर। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने ओडिशा में भ्रष्टाचार और पीसी (प्रतिशत) संस्कृति की बढ़ती घटनाओं तथा इस पर लगाम लगाने में सरकार की नाकामी को लेकर बुधवार को राज्य सरकार को आड़े हाथ लिया।

पीसी संस्कृति के मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव पर विधानसभा में बहस के दौरान विपक्षी सदस्यों ने कहा कि पीसी संस्कृति ने राज्य को जकड़ लिया है और राज्य में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार व्याप्त है।

बहस के दौरान विपक्षी सदस्यों ने निमापारा के सहायक अभियंता दिशमंत देहुरी का उदाहरण दिया, जिनके कब्जे से सतर्कता विभाग ने 13 जुलाई को तीन करोड़ रुपये से अधिक की आय से अधिक संपत्ति जब्त की थी। भाजपा के मुख्य सचेतक मोहन मांझी ने कहा कि भ्रष्टाचार ने राज्य की विकास प्रक्रिया को ठप और प्रशासनिक व्यवस्था को तबाह कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हालांकि भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का दावा किया है, लेकिन वास्तव में, मुख्यमंत्री द्वारा कलेक्टरों को पीसी कल्चर को रोकने के लिए कहने के बाद भ्रष्टाचार दोगुना बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार ने सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) को लगातार पांच बार सत्ता में आने में मदद की।

शार्ट न्यूज

भामाशाह स्वर्गीय बैजनाथ चौधरी की पुण्यतिथि उपलक्ष्य स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

नाँगल चौधरी। जिला रेड क्रॉस समिति नारनौल द्वारा भारत विकास परिषद शाखा के सहयोग से शुक्रवार दिनांक 5 अगस्त सुबह 9 बजे रक्त कोष टीम द्वारा रक्त एकत्रित किया जाएगा। भा.वि. परिषद के सौजन्य से यह विशेष शिविर समारोह राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तृतीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर स्वरूप यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कैंम्प में करीब 30 से 50 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया जाएगा। भारत विकास परिषद शाखा के प्रधान निर्देशानुसार कार्यकारिणी शाखा सदस्यों की बैठक शनिवार को निर्धारित की गई। यह बैठक भा.वि. परिषद अध्यक्ष जगदेव शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इसमें सदस्यों ने भामाशाह स्वर्गीय बैजनाथ चौधरी की पुण्यतिथि उपलक्ष्य शुक्रवार 5 अगस्त को तृतीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर समारोह का कार्यक्रम निश्चित किया गया। इस कार्यकारिणी बैठक में प्रधान की अध्यक्षता में सदस्यों द्वारा कार्यक्रम की व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई साथ ही इस समारोह में अतिथियों के सम्मान संबधित स्मृति चिन्ह सहित बैनर बनवाने और सहयोग हेतु वॉलंटियर की सूची तैयार की गई। इसमें कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा शाखा में नवनिर्वाचित सदस्यों का गठन किया गया साथ ही उनका परिचय करवाते हुए उन्हें पदभार का दायित्व दिया गया।

खततनाक मांझे से पतंग नहीं उठाने के लिए मुहिम शुरू की जाएगी

नई दिल्ली। दिल्ली ग्राम पंचायत संघ के पंच प्रमुखों ने खतरनाक मांझे से पतंग उठाने से गांवों के युवकों एवं बच्चों को मना करने के लिए बुधवार को बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक गांव में युवाओं व बच्चों से खतरनाक मांझे से पतंग नहीं उठाने की अपील करने के लिए मुहिम शुरू करने का निर्णय लिया। बैठक में संघ प्रमुख थान सिंह यादव, 360 गांव की तरफ से आठ गांव के प्रमुख सुरेश शौकीन, विनोद शौकीन पीरागढ़ी, सुनील शर्मा मादीपुर, राजकुमार यादव ख्याला आदि ने सभी गांवों के युवाओं व बच्चों से अपील की गई कि वे खतरनाक मांझा से पतंग न उड़ाए और गांवों की दुकानों पर कोई भी ऐसा मांझा नहीं बेचे। क्योंकि हर वर्ष खतरनाक मांझे की चपेट में आकर कई लोगों की मृत्यु होती है और हजारों पक्षियों की जान चली जाती है। उन्होंने उपराज्यपाल से मांग की कि दिल्ली में ऐसा मांझा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और ऐसा मांझा बेचने से रोकने के लिए संबंधित विभागों की जिम्मेदारी तय करें।

दिल्ली में रोटी के लिए युवक की चाकू घोंपकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग इलाके में रिक्शा चालक ने रोटी लेने के विवाद में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना मंगलवार रात की है। पुलिस ने आरोपी युवक को घटना के दो घंटे के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुन्ना रैगरपुरा के फुटपाथ पर रहता था। वह मंगलवार रात को ढाबे पर रोटी लेने के लिए गया था। यहीं पर रिक्शा चालक फिरोज भी खड़ा था। पहले रोटी लेने के लिए दोनों के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि फिरोज ने मुन्ना के सीने में चाकू घोंप दिया। वहां मौजूद लोगों ने घायल को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने हत्या की धारा में एफआईआर दर्ज कर कर आरोपी को अजमल खां पार्क से गिरफ्तार कर लिया।

तार में फंसे चीनी मांझे से उतरा करंट के चपेट में आया मासूम, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। चीनी मांझे का कहर मौर्या इंक्लेव के बाद मालवीय नगर इलाके में भी देखने को मिला। दस साल का बच्चा चीनी मांझे से पतंग उड़ाते समय बिजली की तारों की चपेट में आ गया। इसकी वजह से वह बुरी तरह झुलस गया। घटना मंगलवार दोपहर की है। फिलहाल बच्चे का एम्स ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। बता दें कि चीनी मांझे में 5 तरह के केमिकल और कई धातुओं का प्रयोग होता है। अल्युमिनियम ऑक्साइड और लेड का इस्तेमाल किया जाता है। यह सभी चीजें मिक्स होकर तेज धार वाला ऐसा चाइनीज मांझा बनाती हैं, जिसे कोई नहीं काट सकता। मेटल युक्त होने के कारण इसमें बिजली का करंट आने का खतरा होता है। जानकारी के अनुसार दस वर्षीय नीरज झा (परिवर्तित नाम) परिवार सहित खिड़की गांव में रहता है। वह कक्षा चार का छात्र है। परिवार में पिता नरेश और मां लक्ष्मी हैं। माता पिता मंगलवार को काम पर गए थे। नीरज पतंग उड़ाने के लिए दोस्तों के साथ बाहर आ गया। इलाके में तीन मंजिला इमारत है, जिसके निर्माण पर एमसीडी ने प्रतिबंध लगा रखा है। नीरज इसी इमारत की छत पर पतंग उड़ा रहा था। तभी पतंग का मांझा बिजली के तारों में उलझ गया और नीरज करंट की चपेट में आने से झुलस गया।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकथाम के लिए बढ़ेंगे निगरानी केंद्र, अभी कई जिलों में महज एक

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण की रोकथाम के लिए वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क को बढ़ाया जाएगा। दिल्ली और एनसीआर के चार जिलों में ही ज्यादातर निगरानी केंद्र हैं। जबकि कई जिलों में महज एक ही केंद्र स्थापित किया गया है। दिल्ली और एनसीआर में देश और दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित हिस्से में शामिल है। केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने इस पूरे क्षेत्र में प्रदूषण की रोकथाम के लिए निगरानी नेटवर्क में इजाफा करने को कहा है। फिलहाल, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कुल 146 निगरानी केंद्र हैं। इसमें से 65 मैनुअल और 81 रीयल टाइम केंद्र हैं। इनमें से भी भी 50 निगरानी केंद्र अकेले दिल्ली में स्थित हैं। जबकि, गुरुग्राम में 11, गाजियाबाद में आठ, गौतमबुद्ध नगर में 12, फरीदाबाद में पांच और बागपत में चार केंद्र हैं। झज्जर, सोनीपत और रोहतक में तीन-तीन, जबकि अलवर, भरतपुर, भिवाणी, बुलंदशहर, चरखी दादरी, हापुड़, जींद, करनाल, महेंद्रगढ़, मेरठ, मुजफ्फरनगर, पानीपत, रेवाड़ी, शामली, मेवात और पलवत जैसे जिलों में एक या दो निगरानी केंद्र हैं। आयोग द्वारा हाल प्रदूषण पर हाल ही में जारी नीति के मुताबिक इनमें से भी ज्यादातर निगरानी केंद्र शहरी क्षेत्रों में लगाए गए हैं। इसके चलते पूरे क्षेत्र के बारे में समग्र जानकारी प्राप्त करना और उसी अनुसार योजना बनाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए इस पूरे क्षेत्र में वायु गुणवत्ता निगरानी का नेटवर्क बढ़ाए जाने की जरूरत है।

नोएडा में स्कूल जा रही 13 साल की लड़की से रेप, वेब सिटी के पास जंगल में वारदात

नोएडा। स्कूल जा रही 13 वर्षीय छात्रा के साथ एक युवक द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित किशोरी ने अपने परिजनों को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद आरोपी के खिलाफ सेक्टर 24 थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस आरोपी की तलाश करने में जुटी है। जानकारी के अनुसार सेक्टर 24 थाना क्षेत्र निवासी एक 13 वर्षीय किशोरी बुधवार सुबह साइकिल से सेक्टर-12 स्थित अपने स्कूल जा रही थी। आरोप है कि इस दौरान उनके घर से कुछ दूर रहने वाले एक युवक किशोरी को बहला-फुसलाकर वेव सिटी के पास जंगल में एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी युवक वहां से फरार हो गया। किशोरी ने घर पहुंच कर मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी। जिसके बाद पीड़ित छात्रा परिजनों के साथ सेक्टर 24 थाना पहुंची और आरोपी के खिलाफ शिकायत की है। शिकायत के बाद सेक्टर 24 थाना पुलिस ने छात्रा का मेडिकल परीक्षण कराया है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन एकात्म मानववाद और मोदी सरकार की विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अन्त्योदय' की संकल्पना प्रस्तुत कर 'भारत को देखने-समझने का एक सार्थक सूत्र दिया : महेश शर्मा

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता के नेतृत्व में वृंदावन में चल रहे दिल्ली भाजपा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में केंद्रीय प्रशिक्षण विभाग के संयोजक श्री महेश शर्मा ने एकात्म मानववाद के बारे में विस्तृत चर्चा की और राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश की सह-प्रभारी डॉ अलका गुर्जर ने मोदी सरकार के दूरगामी परिणाम वाली विदेश नीतियों पर प्रकाश डालने का काम किया। दिल्ली की वर्मतान स्थिति एवं दिल्ली सरकार की विफलताओं के बारे में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने एवं चुनाव प्रबंधन को लेकर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री विजेन्द्र गुप्ता ने अपना संबोधन दिया। इसके साथ ही मीडिया और सोशल मीडिया का सही उपयोग करने के बारे में केंद्रीय प्रशिक्षण विभाग के सदस्य श्री हेमंत गोस्वामी एवं हमारा विचार परिवार के बारे में प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन ने विस्तृत चर्चा की।

अपने संबोधन में श्री महेश शर्मा ने एकात्म मानववाद के विषय में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा हमेशा से ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद के विचारधाराओं का अनुसरण करती रही है। उनके चिंतन के मूल में लोकमंगल एवं राष्ट्र-कल्याण का भाव समाहित है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राजनीति की नई व्याख्या की। एक ओर उन्होंने जहाँ समाजवाद, मार्क्सवाद एवं पूँजीवाद सरीखे अभारतीय विचारधाराओं को भारतीय चिंतन-परंपरा, भारतीय दृष्टिकोण एवं भारतीय जीवन-शैली के सर्वथा प्रतिकूल माना है और उन्हें अस्वीकार किया है।

वहीं, दूसरी ओर भारतीय मानस के अनुकूल 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की संकल्पना प्रस्तुत कर 'भारत को भारत की दृष्टि से' देखने-समझने का एक सार्थक सूत्र भी दिया है। उन्होंने कहा कि एकात्म मानववाद से ही समाज में समानता आएगी। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सुनिश्चित जीवन यापन, स्वाधीनता, गरिमापूर्ण और सम्मान पूर्वक जीवन जीने का आधिकार है।

महेश शर्मा ने कहा कि मनुष्य को सर्वप्रथम 'मनुष्य' ही माना जाना चाहिए। उसकी समस्त आवश्यकताओं, उसके जीवन के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक व आर्थिक आयामों को ध्यान में रखकर चिंतन करते हुए संतुलित-विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपनी प्राचीन संस्कृति का विचार अवश्य करना चाहिए।

किंतु हम इस बात के प्रति भी सचेत रहें कि हम पुरातत्ववेत्ता नहीं हैं। हमारा ध्येय अपनी संस्कृति का संरक्षण करना ही नहीं, अपितु उसे गति देकर सजीव व सक्षम बनाए रखना भी होना चाहिए। हमें अपनी रूढ़ियाँ समाप्त करनी चाहिए। अपनी कमियों की परख कर उनमें सुधार करना चाहिए। सामाजिक जीवन में मौजूद भेदभाव, छुआछूत एवं अस्पृश्यता जैसी विभेदकारी धारणाओं को तोड़ना चाहिए।

डॉक्टर अलका गुर्जर ने कहा कि भारत के सबसे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरगामी विदेश नीति का ही प्रभाव है कि आज भारत विश्व गुरु बनने की राह पर है और विदेश नीति के तहत भारत ने पड़ोसी देशों को प्राथमिकता देने का जो सिलसिला शुरु किया, आज उसी का परिणाम है कि सभी देशों का भारत के प्रति नजरिया बदला है।

पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक का मामला हो या अनुच्छेद 370 हटाने का मामला हो, भारत ने अपने कूटनीतिक कौशल का परिचय दिया है। दोनों मामलों पर पाकिस्तान पूरी तरह से अलग-थलग हो गया। देश के बाहरी और आंतरिक सुरक्षा को भी मजबूती प्रदान करने की एक सुनिश्चित रणनीति बनाई।

उपराज्यपाल ने राजस्व विभाग के कामकाज की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता की

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। उपराज्यपाल श्री वी. के. सक्सेना ने राजस्व विभाग के कामकाज की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मुख्य सचिव, प्रधान सचिव (राजस्व)-सह मंडल आयुक्त, सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं डीडीएमए के विशेष मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व विभाग, जो दिल्ली के राजस्व संबंधी प्रशासन एवं भूमि संबंधी मामलों जैसे- भूमि रिकार्ड का रखरखाव, अधिग्रहण, रजिस्ट्रेशन, बिक्री आदि का कार्य करता है जो कि सीधेतौर पर दिल्ली विकास प्राधिकरण एवं दिल्ली नगर निगम से भी संबंधित हैं। विभाग के कामकाज का डीडीए और एमसीडी की नीतियों और कार्य पर सीधा असर पड़ता है। यह विभाग आपदा तथा अन्य अवसरों पर शहरवासियों को बुनियादी राहत एवं सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें अंतर एवं बाह्य विभागीय समन्वय की आवश्यकता होती है।

विभाग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा के पश्चात उपराज्यपाल ने निम्नलिखित निर्देश जारी किये:-

1. विभाग को लैंड पूलिंग नीति के कार्यान्वयन के लिए एसओपी पर जल्द ही कानूनी राय लेने और 3 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई से अवगत कराने एवं एक महीने के अंदर डीडीए के साथ 142 लंबित भूमि अधिग्रहण मामलों का समाधान करने के निर्देश दिये गये।
2. जमीन बिक्री, पंजीकरण, हस्तांतरण एवं म्यूटेशन के कार्यों में धोखाधड़ी एव भ्रष्टाचार के मामले सामने आने के परिप्रेक्ष्य में उपराज्यपाल ने विभाग को डिमार्केशन के लिए आवेदनों की आनलाईन प्रोसेस को एक महीने के अंदर चालू करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने evacuee, शत्रु, ग्राम सभा तथा अधिग्रहित भूमि का विवरण, दिल्ली आनलाईन पंजीकरण सूचना प्रणाली भूमि पर 'निषिद्ध भूमि' के अंतर्गत जोड़ने के निर्देश दिये ताकि इसका अवैध लेन-देन रोका जा सके। यह भी निर्देश दिए गये हैं कि शहरीकृत गांवों में चकबंदी की कार्यवाही की कानूनी वैधता की जांच कर इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाये।
3. इस संबंध में विभाग को दिल्ली आनलाईन पंजीकरण सूचना प्रणाली एवं म्यूटेशन साफ्टवेयर को जोड़ेन के निर्देश दिए गए हैं ताकि रजिस्ट्रेशन संबंधी कोई भी लेनदेन स्वत: अपडेट हो सके। साथ ही उपराज्पाल ने 15 अगस्त 2022 तक Appointment Management System को DORIS से जोड़ने का भी निर्देश दिया है।
4. विभाग को सर्किल रेट में रीविजन तथा इसके लिए गठित विभिन्न कार्य समूहों की रिपोर्ट के साथ एक विस्तृत प्रजेंटेशन उपराज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा गया है।
5. उपराज्यपाल ने दिल्ली में हजारों बोरवेल सील किए जाने वाले आदेश की चर्चा करते हुए निर्देश दिये कि राजस्व विभाग केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा तैयार किए गए दिल्ली के भूजलीय नक्शे का अध्ययन करे और इसके आधार पर बोरवेल संबंधी वैज्ञानिक और तर्कसंगत नीति तैयार करे। ऐसे क्षेत्र जहां भूजल स्तर ऊंचा/अधिक है वहां पिट होल बनाकर भूजल का रिचार्ज करने की व्यवस्था की जाए और बोरवेल चालू करने की अनुमति दी जाए, ताकि शहर की पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल तरीके से भूजल का संरक्षण एवं उसमें बढ़ोत्तरी भी सुनिश्चित की जा सके।
6. इसके अतिरिक्त राजस्व विभाग को जलाशयों के पुनरूद्धार और उससे संबंधित कार्य योजना और कार्यान्वयन के लिए एक समयबद्ध खाका तैयार करने का निर्देश दिया गया है जिसकी निगरानी संबंधित जिलाधिकारी द्वारा नियमित रूप से किया जाएगा।
7. उपराज्यपाल ने विभाग को शालीमार बाग में विकसित किए जा रहे एककृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र की स्थापना में तेजी लाने के लिए कहा और साथ ही इस दौरान विभिन्न विभागों के सभी नियंत्रण कक्षों को एनडीएमसी के नियंत्रण कक्ष में स्थानांतरित करने की संभावना तलाशने की सलाह भी दी।
8. उपराज्यपाल ने कोविड-19 पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह राशि के भुगतान के लंबित दावों को 15 दिनों के भीतर त्वरित निपटारे के निर्देश दिए हैं।

इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर 500 लोगों से 12 करोड़ की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की इंटेलीजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर देशभर के करीब 500 लोगों से 12 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस संबंध में पुलिस ने दो जालसाजों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 2 मोबाइल, 25 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, 8 चैक बुक बरामद की हैं। इसके अलावा 30 फर्जी अकाउंट भी फ्रीज किए गए हैं। पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपियों की पहचान एसएस कुमार और ए नायक के रूप में हुई है। दोनों मूलरुप से बिहार और राजस्थान के रहने वाले हैं। वर्तमान में ये यूपी के गाजियाबाद में रह रहे थे।

30 बैंक अकाउंट का इस्तेमाल किया

आईएफएसओ यूनिट के डीसीपी केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि इस मामले को लेकर उनकी टीम को शिकायत मिली थी। शिकायत में पीड़ित ने बताया कि कुछ अनजान लोगों के एक समूह ने उनसे सात-आठ साल में दो लाख 80 हजार रुपए इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर ऐंठ लिए हैं। इसके बाद पुलिस ने इस शिकायत पर केस दर्ज जांच आरंभ की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पीड़ित को ठगने के लिए 30 बैंक अकाउंट का इस्तेमाल किया गया। जांच आगे बढ़ी तो यह भी पता चला यह गिरोह देशभर में करीब 500 से ज्यादा लोगों से करीब 12 करोड़ से अधिक की रकम की चपत लगा चुका है।

ऐसे हुआ खुलासा

जांच टीम ने बारीकी से जांच की तो पता चला कि आरोपियों ने टेलीकॉलिंग के लिए फर्जी सिम कार्ड और फर्जी बैंक अकाउंट खोले थे। इसके बाद तकनीकी जांच के जरिये पुलिस को इस गिरोह का ऑपरेशन यूपी के गाजियाबाद में होने का पता चला। इसके बाद पुलिस इस गिरोह के बारे में जानकारी जुटाने लगी। 20 जुलाई को एक इनपुट के आधार पर दोनों आरोपियों को गाजियाबाद में लालकुंआ के नजदीक से धर दबोचा। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि ये वर्ष 2014 से ठगी के इस धंधे में लिप्त हैं। अभी तक की जांच में पुलिस को इस केस में तीस पीड़ित लोगों का पता चल गया है। जबकि अन्य का पता लगाने में जुटी है। साथ ही पुलिस इनसे पूछताछ कर इनके पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन से लोग शामिल हैं, उसका पता करने में जुटी है।

मेट्रो ग्रुप के अस्पतालों पर इनकम टैक्स की रेड, 20 ठिकानों पर छापा

फरीदाबाद। मेट्रो ग्रुप के अस्पतालों समेत अन्य ठिकानों पर इनकम टैक्स की छापेमारी चल रही है। नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत 20 ठिकानों पर रेड डाली गई है। सुबह से ही अधिकारी इन ठिकानों पर दस्तावेजों को खंगाल रहे हैं। फरीदाबाद में 4 अस्पतालों में छापेमारी चलल रही है। आयकर विभाग ने अघोषित संपत्ति का पता लगाने के लिए फरीदाबाद के सर्वोदय अस्पताल, एसएसबी मेट्रो अस्पताल और अर्कॉड अस्पताल में छापेमारी की है। विभाग की टीमें अस्पतालों में कागजात खंगालने में जुटी हुई हैं। अस्पताल प्रबंधक के घरों पर भी छापेमारी की जा रही है। छापेमारी के दौरान अघोषित संपत्ति का पता लगाने के लिए दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। यह छापेमारी सुबह 7:00 बजे शुरू हो गई थी। छापेमारी शुरू होने से अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मच गया। अस्पतालों की ओर से अभी कोई बोलने के लिए तैयार नहीं है। आयकर विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह छापेमारी आयकर विभाग की ओर से की जा रही है। लेकिन इस बारे में कुछ नहीं बताया जा सकता है। उधर, ईडी की छापेमारी की भी चर्चा हो रही है। लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो रही है।

मंकीपॉक्स से ज्यादा सावधानी की जरूरत : बिधूड़ी

सरकार को कोरोना की गलतियों से सबक सीखने की जरूरत

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी में मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिलने के बावजूद सरकार द्वारा गंभीरता न दिखाने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने लोगों से सावधान रहने और सरकार से तुरंत सभी एहतियाती उपाय करने का अनुरोध किया है।

बिधूड़ी ने कहा है कि दिल्ली सरकार ने कोरोना की शुरुआत के समय भी यह दावा किया था कि पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं लेकिन कोरोना का हमें भयानक प्रकोप देखने को मिला था। दिल्ली सरकार अब भी सभी उपाय करने का दावा कर रही है लेकिन उसे गलतियों से सबक सीखने की जरूरत है। मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिलने के बावजूद सरकार ने अब तक जनता को जागरूक करने और इस बीमारी के प्रति सतर्क करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। न ही एक्सपर्ट्स या डॉक्टरों का कोई ऐसा दल बनाया है जो स्थिति पर नजर रखे। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में जो मरीज मिला है, उसका कोई विदेश यात्रा का रिकॉर्ड नहीं है जिसका मतलब यह है कि उसे किसी भारतीय से ही यह बीमारी हुई है। इससे पहले केरल में जो तीन मरीज मिले, सभी विदेश यात्रा से लौटे थे। इससे यह भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस व्यक्ति को हिमाचल प्रदेश या दिल्ली के किसी व्यक्ति से ही यह बीमारी हुई है। इस व्यक्ति के संपर्क में आने वालों पर भी कड़ी नजर रखने की जरूरत है क्योंकि कोई भी ढील बहुत घातक हो सकती है।

बिधूड़ी ने लोगों से भी कहा है कि वे घबराएं नहीं लेकिन सावधान रहें। इस बीमारी के बारे में भी अभी ज्यादा जानकारी नहीं है। इसलिए सार्वजनिक स्थलों पर जाने ओर अनजान लोगों से मिलने मे परहेज करें। उन्होंने लोगों को सलाह भी दी है कि अगर किसी भी व्यक्ति को शरीर में दाने और बुखार जैसे लक्षण दिखाई देते हैं तो उसे बिना देर किए अस्पताल जाना चाहिए।

केजरीवाल ने किए सात नए चार्जिंग स्टेशन के उद्घाटन

देश की इलेक्ट्रिक वाहन राजधानी बन रही दिल्ली

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को सात नए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन का उदघाटन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली अब देश कि इलेक्ट्रिक वाहन राजधानी बन रही है।

उद्घाटन के दौरान केजरीवाल ने कहा कि जब 2020 में हमारी सरकार इलेक्ट्रिक वाहन पॉलिसी बना रही थी तब हमें यह नहीं पता था कि लोगों की इतनी शानदार प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछले साल 25,809 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई थीं।

और इस साल के अबतक के सात महिनों में ही 29,000 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हो गई है। दिल्ली में कुल वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 9.3 प्रतिशत है। इनमें सबसे ज्यादा दो पहिया वाहनों की बिक्री हुई है। केजरीवाल ने कहा कि इन सब को देख कर यह कहा जा सकता है कि दिल्ली धिरे-धिरे देश की इलेक्ट्रिक वाहन राजधानी बनती जा रही है।

एप्प से बढ़ेगी आसानी

केजरीवाल ने उद्घाटन समारोह में कहा कि नजदिकी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन के बारे में जानने के लिए एप्प भी बनाया गया है। इस एप्प से लोग यह पता कर सकेंगे कि कौन सा चार्जिंग स्टेशन उनके घर से सबसे कम दूरी पर है। साथ ही यह भी पता लग सकेगा कि किस चार्जिंग स्टेशन में वाहन चार्ज करने के लिए जगह खाली है।

दो तरह की चार्जिंग सुविधाएं

इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों पर दो तरह की सुविधाएं मिलेंगी। फास्ट चार्जिंग की सुविधा और स्लो चार्जिंग की सुविधा। फास्ट चार्जिंग की सुविधा लेने के लिए 10 रुपए प्रति यूनिट देनी होगी और स्लो चार्जिंग की सुविधा लेने के लिए 3 रुपए प्रति यूनिट देनी होगी।

होटल-रेस्तरां संचालक ले सकेंगे ओपन स्पेस के लिए लाइसेंस

एजेंसी

नई दिल्ली। एकीकृत निगम होने के बाद अब राजधानी में होटल और रेस्तरां संचालित करने वाले कारोबारियों को ओपन स्पेस नीति के तहत भूतल या छत पर खाना परोसने का लाइसेंस मिल सकेगा। लेकिन, इसके लिए रेस्तरां संचालित करने वालों को प्रति स्क्वेयर फीट के हिसाब से निगम को लाइसेंस फीस चुकानी होगी। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ सूत्रों का कहना है कि ओपन स्पेस नीति को लेकर एक प्रस्ताव तैयार कर निगम के स्पेशल अधिकारी अश्वनी कुमार के समक्ष पेश किया गया है। प्रस्ताव को जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है।

जानकारी के मुताबिक, एकीकृत निगम से पहले दक्षिण निगम ने होटल और रेस्तरां के लिए ओपन स्पेस नीति को लागू किया था। इसके बाद पूर्वी निगम ने भी नीति को लागू करने की योजना बनाई थी। इस संबंध में पूर्व महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल कहते हैं कि यह योजना किसी वजह से अधर में लटक गई। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों का कहना है कि उत्तरी निगम के छह जोन में भी यह पॉलिसी लागू नहीं हो सकी थी, लेकिन होटल और रेस्तरां संचालित करने वाले लोग अपने ओपन स्पेस को गैर कानूनी तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे निगम को राजस्व नहीं मिल पा रहा है।

सभी जोन में कराया गया सर्वे

सूत्रों का कहना है कि एकीकृत निगम के बाद सभी 12 जोन में चलने वाले होटल और रेस्तरां का सर्वे कराया गया, जिसमें लोगों ने जहां एक तरफ सरकारी जमीन पर रेस्तरां चला रखा है तो दूसरी तरफ जिनके पास खुद का ओपन स्पेस है, वह निगम को उसके एवज में कोई शुल्क नहीं दे रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ओपन स्पेस नीति को लेकर एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रस्ताव के तहत होटल और रेस्तरां चलाने वाले जिन कारोबारियों के पास भूतल या छत पर ओपन स्पेस है, उन्हें उस स्थान पर भोजन परोसने के लिए लाइसेंस दिया जाएगा। लेकिन, इसके लिए प्रति स्क्वेयर फीट के हिसाब से निगम को लाइसेंस फीस चुकानी होगी। इस नीति के तहत लाइसेंस शुल्क को एक निगम एक शुल्क नीति पर लागू किया जाएगा।

नोएडा-गाजियाबाद में मंकीपॉक्स के तीन संदिग्ध केस, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

एजेंसी

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा में बुधवार को मंकीपॉक्स का एक संदिग्ध मरीज मिला है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा में मंकीपॉक्स का एक संदिग्ध मामला सामने आया है। आज यानी बुधवार को नोएडा और गाजियाबाद में मंकी पॉक्स के तीन संदिग्ध केस मिले हैं। 47 वर्षीय मरीज ने कल स्वास्थ्य विभाग से संपर्क किया है, जिसके बाद उसके नमूने लिए गए।

एक स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा, सैंपल टेस्ट के लिए लखनऊ भेजे गए हैं और मरीज इस समय घर में आइसोलेट कर दिया गया है। टेस्ट के परिणाम आने के बाद ही मंकीपॉक्स की पुष्टि की जा सकती है। उसकी ट्रैवल हिस्ट्री का पता किया जा रहा है।

वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के कुछ हिस्सों में मंकीपॉक्स संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राज्य में विशेष सावधानी बरतने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के कोविड अस्पतालों में मंकीपॉक्स प्रभावित मरीजों के लिए कम से कम 10-10 बिस्तर आरक्षित रखे जाएं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में देश के कुछ हिस्सों में मंकीपॉक्स संक्रमण के बढ़ते मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में इसे लेकर विशेष सावधानी बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश के कोविड अस्पतालों में न्यूनतम 10 बेड सिर्फ मंकीपॉक्स से प्रभावित मरीजों के लिए आरक्षित रखे जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मंकीपॉक्स के लक्षण, उपचार और बचाव के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के मुताबिक आम लोगों को सही जानकारी देते हुए जागरूक किया जाए।

संपादकीय

डिजिटल शासन के नए युग में परास्त होते गरीब

सम्मान के साथ जीने का अधिकार एक संवैधानिक अनिवार्यता है। हालाँकि, यह आज शासन में डिजिटल पहल की चर्चाओं में शायद ही कभी प्रकट होता है। केंद्रीकृत डेटा डैशबोर्ड नीतियों का आकलन करने, मानवीय गरिमा और अधिकारों तक पहुँचने में जितनी मदद करती है; उतने ही अक्सर तकनीकी खामियां किसी को अधिकारों तक पहुंचने से रोकती भी हैं। चिंता की बात यह है कि इंटरनेट और अन्य सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों तक पहुंच के बिना गरीब लोगों को नुकसान हो रहा है, क्योंकि वे डिजिटल जानकारी प्राप्त करने, ऑनलाइन खरीदारी करने , लोकतांत्रिक तरीके से भाग लेने, या कौशल सीखने और कौशल प्रदान करने में असमर्थ या कम सक्षम हैं।

मौजूदा डिजिटल प्रौद्योगिकी की बढ़ती पैठ किसी देश की अधिक सामाजिक प्रगति से जुड़ी है। लेकिन निश्चित समय में बिना ज्ञान या इंटरनेट तक पहुंच के लोग प्रगति के चक्र में पीछे छूट जाएंगे। ये सच है कि इंटरनेट कनेक्टिविटी और आईसीटी उसकी भविष्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पूंजी को बढ़ा मगर इससे उन लोगों के बीच आर्थिक असमानता पैदा होती है जो प्रौद्योगिकी का खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते। प्लेटफॉर्म और ऐप-आधारित समाधान गरीबों को पूरी तरह से सेवाओं से वंचित कर सकते हैं या आगे स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुँच को कम कर सकते हैं। जैसे स्लॉट बुक करना फोन, कंप्यूटर और इंटरनेट के बिना उन लोगों के लिये बहुत कठिन हों सकता है।

तकनीकी प्रगति तक पहुंच और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में इसकी समग्र सफलता के बीच सीधा संबंध है। कम डिजिटल गैप वाले देश अधिक डिजिटल गैप वाले देशों की तुलना में अधिक लाभान्वित होते हैं। डिजिटल डिवाइड कम आय वाले बच्चों की सीखने और बढ़ने की क्षमता को भी प्रभावित करता है। इंटरनेट एक्सेस के बिना, छात्र आज की गतिशील अर्थव्यवस्था को समझने के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल विकसित करने में असमर्थ हैं. लगभग 65त्न युवा विद्वान घर पर इंटरनेट का उपयोग असाइनमेंट को पूरा करने के साथ-साथ चर्चा बोर्डों और साझा फ़ाइलों के माध्यम से शिक्षकों और अन्य छात्रों से जुड़ने के लिए करते हैं। एक हालिया अध्ययन से संकेत मिलता है कि व्यावहारिक रूप से 50त्न छात्रों का कहना है कि वे इंटरनेट से जुड़ने में असमर्थता के कारण या कुछ मामलों में कंप्यूटर खोजने में असमर्थता के कारण अपना होमवर्क पूरा करने में असमर्थ हैं। इससे एक नया रहस्योद्घाटन हुआ है; 42त्न छात्रों का कहना है कि इस नुकसान के कारण उन्हें निम्न ग्रेड प्राप्त हुआ।

अगर हम ध्यान से देखे तो भारत की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का संबंध डिजिटल डिवाइड से है, जो डिजिटल क्रांति के युग के दौरान और फिर भारत में इंटरनेट क्रांति के युग के दौरान बनी रही। ग्रामीण भारत सूचना गरीबी से पीड़ित था और आज भी कहीं न कहीं है। एक तथ्य यह है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे इंटरनेट का उपयोग भी होता है, यह दृढ़ता से सुझाव देता है कि आय असमानताओं के कारण कम से कम आंशिक रूप से डिजिटल विभाजन बना रहता है। आमतौर पर, एक डिजिटल विभाजन गरीबी और आर्थिक बाधाओं से उपजा है जो संसाधनों को सीमित करता है और लोगों को नई तकनीकों को प्राप्त करने या अन्यथा उपयोग करने से रोकता है। शीर्ष पर कुछ लोगों द्वारा सूचना को नियंत्रित किया जाता है जो इसे नीचे वालों तक सीमित रखते हैं। डिजिटल डिवाइड होने पर सोशल मीडिया के युग में राजनीतिक सशक्तिकरण और लामबंदी मुश्किल है। डिजिटल डिवाइड आबादी के अमीर-गरीब, पुरुष-महिला, शहरी-ग्रामीण आदि क्षेत्रों में बनता है। अंतर को कम करने की जरूरत है, तभी ई-गवर्नेंस के लाभों का समान रूप से उपयोग किया जा सकेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में ई-गवर्नेंस की पहल जमीनी हकीकत की पहचान और विश्लेषण करके की जानी चाहिए। सरकार को विभिन्न हितधारकों जैसे नौकरशाहों, ग्रामीण जनता, शहरी जनता, निर्वाचित प्रतिनिधियों आदि के लिए उपयुक्त, व्यवहार्य, विशिष्ट और प्रभावी क्षमता निर्माण तंत्र तैयार करने पर भी ध्यान देना चाहिए।

सत्ता के लिये धार्मिक परम्परायें सर्वोपरि या संविधान की रक्षा ?

निर्मल रानी

पिछले दिनों सेंट्रल विस्टा नामक परियोजना के अंतर्गत भारत के नव निर्माणाधीन संसद भवन पर अशोक स्तंभ की एक विशालकाय विवादित प्रतिमा स्थापित की गयी। जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिन्दू रीति रिवाज एवं कर्मकाण्ड के साथ किया। यह वह अशोक स्तंभ है स्वरूप है जो भारतीय संविधान के मुख्य पृष्ठ पर अंकित है। और इसी संविधान का अनुच्छेद 51 प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिये अनेक कर्तव्य सुनिश्चित करता है। और इसी क्रम में यह उल्लेख है कि प्रत्येक नागरिक भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे, भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो। वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे तथा व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले। सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री द्वारा अशोक स्तंभ के उद्घाटन के समय किया जाने वाला कर्मकाण्ड संविधान की उक्त परिभाषा के अंतर्गत सही था ? इस के अलावा भी भारत के प्रधानमंत्री भारत नेपाल अथवा अन्य किसी देश में किसी मंदिर अथवा धार्मिक आयोजन में शरीक होते हैं तो उनका पहनावा देखकर तो कोई यह कह ही नहीं सकता कि वे किसी धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के प्रधानमंत्री हैं। बल्कि ऐसा प्रतीत होता कि भारत को जिस हिन्दू राष्ट्र बनाने की बात की जा रही है वह हिन्दू राष्ट्र बन चुका है और यही उस हिन्दू राष्ट्र के पहले प्रधानमंत्री हैं। दो वर्ष पूर्व राफ़ेल लड़ाकू विमान के पूजा पाठ यहाँ तक कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा विमान पर निम्बू व हरी मिर्च लटकाने जैसी अंधविश्वासपूर्ण परंपरा का पूरी दुनिया में मज़ाक़ उड़ाया गया। क्या इन्हीं अंधविश्वासी कारगुज़ारियों से संविधान के अनुरूप जनता में वैज्ञानिक और मानववादी चिंतन विकसित किया जायेगा ? कभी इसी अंधविश्वासी कुनबे का कोई नेता यहां तक दावा कर बैठता है कि हमारे मंत्रोच्चारण मात्र से चीन की सेना पराजित हो जायेगी। कहीं कांवड़ियों पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पुष्प वर्षा कराई जा रही है और मुख्यमंत्री स्वयं हेलीकॉप्टर से कांवड़ यात्रियों का अभिवादन कर रहे हैं। तो कहीं उत्तरांचल के मुख्यमंत्री कांवड़ियों के पैर धोते दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रपति का उम्मीदवार बनने के बाद द्रौपदी मुर्मू विभिन्न मंदिरों में झाड़ू लगाती नज़र आईं। कहीं ब्राह्मण मण्डली द्वारा कथित तौर पर उनका शुद्धिकरण किये जाने के वीडिओ वायरल हुए। प्रधानमंत्री, उनके अनेक मंत्रिमंडलीय सहयोगी तथा अनेक भाजपाई मुख्य मंत्रियों व मंत्रियों से जुड़ी इसी तरह की अनेक ख़बरें व उनके चित्र अक्सर सामने आते रहते हैं।

परन्तु पिछले दिनों ठीक इसके विपरीत एक समाचार तमिलनाडु राज्य की धर्मपुरी लोकसभा क्षेत्र से प्राप्त हुआ। इस क्षेत्र के लोक सभा सदस्य डॉक्टर सेंथिल कुमारको पी डब्ल्यू डी द्वारा शुरू की जाने वाली एक सड़क परियोजना के शुभारंभ के लिये आमंत्रित किया गया था। विभाग की ओर से अवसर पर भूमि पूजन कराये जाने के उद्देश्य से ब्राह्मणों को भी आमंत्रित किया गया था। समारोह स्थल पर जब सांसद ने पूजा सामग्री सहित ब्राह्मण को मौजूद देखा उसी समय वे आग बबूला हो उठे। उन्होंने सवाल किया कि यहाँ केवल ब्राह्मण ही क्यों ? चर्च के फ़ादर इमाम आदि क्यों नहीं ? सभी को इसमें शामिल करना चाहिये ? उन्होंने निर्देश दिया कि भविष्य में किसी भी सरकारी समारोह में किसी धर्म विशेष के लोगों को न बुलाया जाये। क्योंकि यही तमिलनाडु का द्रविण मॉडल है और मुख्य मंत्री एम के स्टालिन भी यही चाहते हैं।

सरकार को घेरने का कमजोर तरीका है हंगामा

ललित गर्ग

संसद का मानसून सत्र भारी हंगामे की भेंट चढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है, कोई ठोस कामकाज अथवा राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा न होना विपक्ष की भूमिका पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है। यह भारतीय लोकतंत्र की बड़ी कमजोरी बनती जा रही है कि सरकार को जरूरी एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर घेरने की बजाय उसको नीचा दिखाने, कमजोर करने एवं उसके कामकाज को धुंधलाने की कुचेष्टा के लिये हंगामा खड़ा कर दिया जाता है। आजकल यह रिवाज हो गया है कि संसद सदस्य हर उस मसले को हल्ला-गुल्ला करके ही सरकार की नजर में ला सकते हैं, जिससे वे या उनका दल चिंतित हैं। अजीब बात है कि संसद में शोरगुल का रास्ता अपना कर संसद का मूल्यवान समय व्यर्थ कर रहे हैं जबकि उनके सामने बहुत सारे विकल्प मौजूद हैं। संसदीय नियमावली में इतने सारे हथियार मौजूद हैं कि शोरशराबे की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए। फिर सदन की कार्यवाही में बाधा डालने का तरीका अपनाने का क्या औचित्य है ? हंगामे के कारण संसद के जारी मानसून सत्र के दौरान लोकसभा और राज्य सभा में कुछ सांसदों को निलंबित किया गया है। राज्यसभा में एक साथ 19 सदस्यों का पूरे हफ्ते के लिए निलंबन सदन में एक बार में निलंबित होने वाले सदस्यों की सबसे बड़ी संख्या है। इस तरह सांसदों का निलंबन उनकी अयोग्यता एवं अपात्रता को ही दर्शाता है।

महंगाई और आवश्यक चीजों पर वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) लगाने पर बहस को लेकर संसद में सियासी रार और बढ़ गई है। पहले जो विपक्ष इस मांग के साथ हंगामा कर रहा था कि अग्निपथ योजना, महंगाई, जीएसटी आदि पर चर्चा की जाए, वह अब इस कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित कर सकता है कि उसके सदस्यों को हंगामा मचाने के कारण निलंबित क्यों किया गया ? जो भी हो, पक्ष-विपक्ष में इस पर कोई सहमति न बन पाना चिन्ताजनक एवं सोचनीय स्थिति है कि किस विषय पर कब और कैसे चर्चा हो ? लोकमान्य तिलक का मंतव्य था कि मतभेद भुलाकर किसी विशिष्ट कार्य के लिये सारे पक्षों का एक हो जाना जिन्दा राष्ट्र का लक्षण है।' लेकिन राजनीति की गिरावट ने लोकतांत्रिक मूल्यों पर ताक पर रख दिया है, सांसदों के लिये दल प्रमुख एवं राष्ट्र गौण हो गया है। इन स्थितियों से देश का वातावरण दूषित होता है, बिना वजह तिल को ताड़ बना दिया जाता है। जिससे देश का वातावरण विषाक्त एवं भ्रान्त बनता है।

निश्चित ही जीवन-निर्वाह की अनेक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने से जनता की परेशानियां बढ़ी है। स्पष्ट है कि महंगाई एक मुद्दा है-न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में। इस मसले पर संसद में चर्चा भी होनी चाहिए, लेकिन विपक्ष की ओर से यह जो कहने की कोशिश की जा रही है कि सरकार जानबूझकर महंगाई बढ़ा रही है, वह नारेबाजी की राजनीति के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह विपक्ष की सोच का दिवालियापन है, यह सरकार को घेरने का निस्तेज हथियार है। विपक्षी दलों एवं उनके सांसदों को औचित्यपूर्ण तर्क एवं तथ्यपरकता से आलोचना एवं चर्चा करनी चाहिए। भारत में महंगाई बढ़ने का कारण रूस-यूक्रेन युद्ध एवं उससे उत्पन्न अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कारण है। जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। जबकि दुर्भाग्य से विपक्ष उन कारणों की अनदेखी कर रहा है, बल्कि यह वातावरण बनाने की भी चेष्टा कर रहा है कि केवल भारत में ही महंगाई बढ़ रही है। विपक्ष इस तथ्य से भी मुंह चुरा रहा है कि हाल में विभिन्न उत्पादों और सेवाओं को जीएसटी के दायरे में लाने का जो निर्णय हुआ, उसे उस जीएसटी परिषद ने स्वीकृति दी, जिसमें विपक्ष शासित राज्यों के वित्तमंत्री भी शामिल थे। इस परिषद में सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाते हैं। क्या जब जीएसटी परिषद में फैसले लिए जा रहे थे, तब विपक्ष शासित राज्यों के वित्त मंत्री यह नहीं समझ पा रहे थे कि इससे कुछ उत्पाद महंगे होंगे ? प्रश्न यह भी है कि क्या विपक्ष यह चाहता है कि भारत सरकार उन परिस्थितियों की अनदेखी कर दे, जिनके चलते श्रीलंका का दीवाला निकल गया और कुछ अन्य देश दीवालिया होने की ओर बढ़ रहे हैं ? नि:संदेह विपक्ष को संसद में अपनी बात कहने का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार की आड़ में यदि वह केवल हंगामा करेगा तो इससे न तो उसे कुछ हासिल होने वाला है और न ही देश को, क्योंकि आम जनता यह अच्छे से समझती है कि देश-दुनिया के आर्थिक हालात कैसे हैं ?

संसद के गलियारों में विपक्षी सांसदों का एक स्वर सुनने को मिल रहा है कि वे सरकार की मनमानी से दुखी होकर संसद का काम नहीं चलने दे रहे हैं। यह बात बिलकुल तर्कसंगत नहीं है। बतौर सांसद आज नेताओं के पास ऐसे बहुत सारे साधन हैं, जिनसे सरकार को वे किसी भी फैसले में मनमानी से रोक सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण तो प्रश्नकाल ही है। सदन की कार्यवाही का पहला घंटा प्रश्नकाल के रूप में जाना जाता है और इसमें हर तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं। मंत्री से बाकायदा पूरक प्रश्न पूछे जा सकते हैं, हर सदस्य किसी भी सवाल पर स्पष्टीकरण मांग सकता है और सरकार के सामने गोल-माल जवाब देने के विकल्प बहुत कम होते हैं। मौखिक प्रश्नों के अलावा बहुत सारे प्रश्न ऐसे होते हैं जिनका जवाब लिखित रूप में सरकार की तरफ से दिया जाता है। अगर सरकार की ओर से लिखित जवाब में कोई बात स्पष्ट नहीं होती तो सदस्य के पास नियम 55 के तहत आधे घंटे की चर्चा के लिए नोटिस देने का अधिकार होता है। सरकार की नीयत पर लगाम लगाये रखने के लिए विपक्ष के पास काम रोको प्रस्ताव का रास्ता भी खुला होता है।

इस प्रस्ताव पर बहस के बाद वोट डाले जाते हैं और यह अगर पास हो गया तो इसे सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव माना जाता है सरकारें काम रोको प्रस्ताव से बचना चाहती है इसलिए इसके रास्ते में बहुत सारी अड़चन रहती हैं। जाहिर है संसद सदस्यों के पास सरकार से जनहित और राष्ट्रहित के काम करवाने के लिए बहुत सारे तरीके उपलब्ध हैं। लेकिन उसके बाद भी जब इस देश की एक अरब चालीस करोड से ज्यादा आबादी के प्रतिनिधि शोरगुल के जरिए अपनी ड्यूटी करने को प्राथमिकता देते हैं तो निराशा होती है। इस तरह की स्थितियां सांसदों के चरित्र एवं साख दोनों पर बटा लगाती है।

महंगाई और जीएसटी पर सार्थक बहस से ज्यादा हंगामा विपक्षी सांसदों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जांच एजेन्सियों की कार्रवाई पर बरपा है। चोरी ऊपर से सीना जोरी वाली स्थिति है। इसीलिये सोमवार को लोकसभा के चार कांग्रेस सदस्यों के निलंबन के बाद मंगलवार को सरकार ने राज्यसभा में हंगामा और आसन के निरादर के आरोप में सदन में प्रस्ताव लाकर विपक्ष के 19 सदस्यों को पूरे सप्ताह की कार्यवाही से निलंबित करा दिया। शुक्रवार तक ये सभी सदस्य सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकते। कांग्रेस, आप, राजद, माकपा और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं का आरोप है कि सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके विपक्ष को निशाना बना रही है। विपक्षी नेताओं ने कहा कि कानून तो कानून होता है और उस पर अमल बिना किसी पक्षपात या भय के होना चाहिए। लेकिन इसका दुरुपयोग उस तरह नहीं किया जा सकता, जिस तरह से अभी किया जा रहा है। लेकिन विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं को यह भी सोचना होगा कि भ्रष्टाचार तो भ्रष्टाचार ही है। इस तरह भ्रष्टाचार को होते हुए देखना तो सरकार की नाकामी ही मानी जायेगी। अगर बिना किसी कारण के ऐसी कार्रवाई होती है तो विपक्षी शक्तियों को सक्रिय होना चाहिए। संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप ने कहा, सदन को सुचारूरूप से न चलने देना देश के साथ अन्याय है। इसलिए निलंबन की कार्यवाही सही कदम है। पर अभी जैसे बीज बोये जा रहे हैं उससे अच्छी खेती यानी लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंतता की उम्मीद कैसे की जा सकती है ?

जब मंत्री सवालों के घेरे में हो तो ममता सरकार पर सवाल क्यों नहीं उठेंगे?

आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक मजबूरियां जी रहे हैं। राजनीति की सार्थकता नहीं रही। अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर नेता अभिनेता बन गया। नेतृत्व व्यवसायी बन गया।

भ्रष्टाचार के खेल ने दुनिया के सारे लोकतंत्रों को खोखला कर दिया है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इसलिए इसकी साफ-सफाई ज्यादा जरूरी है। इन दिनों गैरभाजपा प्रांतों में भ्रष्टाचार के मामले बड़ी संख्या में उजागर हो रहे हैं। पहले दिल्ली में आम आदमी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सतेन्द्र जैन और अब पश्चिम बंगाल में उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी बता रही है कि ममता बनर्जी एवं अरविन्द केजरीवाल भ्रष्टाचार मुक्त शासन के कितने ही दावे क्यों न करें, लेकिन उनके वरिष्ठ मंत्री भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों एवं विभिन्न प्रांतों की सरकारों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है, चिन्ताजनक स्थितियां भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर किसी सार्थक एवं राष्ट्रहित की बहस का न होकर राजनीति का होना भी है।

भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण एवं जाति-सम्प्रदाय के हिंसक आग्रहों पर हमारी राजनीति में अभी कोई बहस नहीं है। राजनीति में लगे लोगों में जब इन मसलों की गहराई तक जाने का धैर्य और गंभीरता चुक जाए, तो इसके मंच के संवाद पहले निम्न दर्जे तक गिरते हैं और फिर कीचड़ को ही संवाद का विकल्प मान लिया जाता है। इन दिनों यही हो रहा है। भ्रष्टाचार के लिए मोदी सरकार जो कार्रवाइयाँ कर रही है, वह सराहनीय है लेकिन उन पर गैर-भाजपा नेता एवं दल विशेष पर ऐसी कार्रवाइयाँ करने का आरोप भी एक तरह का भ्रष्टाचार ही है। जिन दलों पर ऐसी कार्रवाइयाँ हो रही है उनका सवाल यह है कि ये सब कार्रवाइयाँ विरोधी दलों के नेताओं और सिर्फ उन धनाढ्य घरानों के खिलाफ क्यों हो रही हैं, जो कुछ गैर-भाजपा दलों के साथ नत्थी रहे हैं? यह एक तरह की पूर्वाग्रहग्रस्त कीचड़ उछाल राजनीति है।

यह सब उस दौर में हो रहा है जब देश के राजनीतिक दल धीरे-धीरे अपनी साख खोते जा रहे हैं। राजनीतिज्ञों की साख गिरेगी, तो राजनीति की साख बचाना भी आसान नहीं होगा। हमारे पास राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टचार के बाद तीसरा नंबर इस कीचड़ उछाल का भी है। ये तीनों ही राजनीति के औजार नहीं हैं, इसलिए राजनीति को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इससे खिलाफ लड़ाई के लिए काफी वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, लेकिन कीचड़ उछाल से परहेज करके और सार्थक बहस चलाकर देश की राजनीति का सुधार आंदोलन शुरू किया जा सकता है। राजनैतिक कर्म में अपना जीवन लगाने वालों से इतनी उम्मीद तो की ही जानी चाहिए।

आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक मजबूरियां जी रहे हैं। राजनीति की सार्थकता नहीं रही। अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर नेता अभिनेता बन गया। नेतृत्व व्यवसायी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है। जबकि नेता तो पिता का पर्याय था। उसे पिता का किरदार निभाना चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है।

अब यह केवल तथाकथित नेताओं के बलबूते की बात नहीं रही कि वे गिरते मानवीय, नैतिक एवं चारित्रिक मूल्यों को थाम सकें, समस्याओं से ग्रस्त सामाजिक व राष्ट्रीय ढांचे को सुधार सकें, तोड़कर नया बना सकें। राजनेता एक आदर्श किरदार निभाएं, एक प्रशस्त मार्ग दें। सही वक्त में सही बात कहें।

आओ अपनी मां पृथ्वी को बचाएं - अपने कर्तव्यों को निभाए

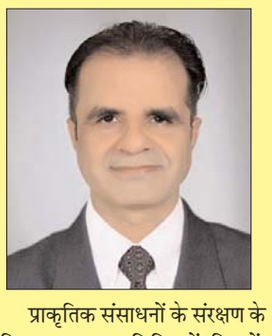

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए बनाए गए अधिनियमों, नियमों, विनियमों अंतरराष्ट्रीय संधियों का पालन अपनी मां पृथ्वी को बचाने के लिए करना तात्कालिक ज़रूरी हैं - एड किशन भावनानी

प्राकृतिक संसाधनों के अथक मानव अति दोहन से प्राकृतिक मौसम पैटर्न अति असामान्य, जैव विविधता को नुकसान, वन्यजीवों के आवासों का विनाश, जीवो की जातियों प्रजातियों की विविलुप्ता, भूस्खलन, तूफान, जंगलों में आग, ज्वालामुखी जैसी अनेकों घटाएं आज के प्राकृतिक मौसम पैटर्न परिपेपक्ष में भारी बदलाव दिखता है जिसका मुख्य कारण मां पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों का मानवीय जीव द्वारा अति दोहन है। इसलिए आज विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस 28 जुलाई 2022 के उपलक्ष में हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि आओ अपनी मां पृथ्वी को बचाएं,अपने कर्तव्यों को निभाए, सरकारों द्वारा बनाए गए अधिनियमों नियमों विनियमों अंतरराष्ट्रीय संधियों का कड़ाई से पालन करें।

साथियों बात अगर हम प्रकृति के संरक्षण की करें तो आज समय आ गया है कि हर मानव जीव को तात्कालिक इसके संरक्षण रूपी यज्ञ में अपने सहयोग रूपीआहुति देनी ही होगी क्योंकि यह सिर्फ पर्व या उत्सव मनाने, भाषण देने, वार्तालाप करने से नहीं बल्कि हमें इसके आचरण में उतरना होगा प्रकृति प्रेम तभी हो सकेगा जब पर्यावरणका संरक्षण होगा आइए, एक संकल्प लें कि अपनी ओर से पर्यावरण को संरक्षित करें। न केवल नए पौधे लगाएं बल्कि पुराने पेड़ों के संरक्षण का भी प्रयास करें। जलस्त्रोतों को संरक्षित करने में आगे आएं। विदेशों में आप देखेंगे कि सड़क के दोनों ओर हरियाली नजर आती है लेकिन अपने देश में सड़क के दोनों ओर पॉलीथिन उड़ते नजर आ जाएगी। सड़क पर दौड़ती कार के शीशे से चिप्स के रैपर, पॉलीथिन फेंकने वाले लोग भी हम ही हैं। वन्यजीवों के प्रति भी हमारे कान बंद हो गए हैं। चिड़िया पानी के बगैर तड़प रही हैं। पर्यावरण में पेड़ लगाने के साथ-साथ पारिस्थिति तंत्र को सुरक्षित रखने के लिए आगे आएं। घर के बाहर चिड़ियों के लिए पानी रखें। यह कितना बड़ा दुर्भाग्य है कि गोवंश पानी के लिए तड़प रहे हैं, अगर हम उन्हें पानी पिला लें तो यह भी पर्यावरण के प्रति हमारा योगदान होगा।साथियों बात अगर हम प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा बनाए गए अधिनियमों नियमों विनियमों कार्यक्रमों की करें तो राष्ट्रीय आर्द्रभूमि (वेटलेंड) संरक्षण कार्यक्रम,नगर वाहन उद्यान योजना,प्रोजेक्ट टाइगरस्वच्छ भारत अभियान,मगरमच्छ संरक्षण परियोजना,यूएनडीपी समुद्री कछुआपरियोजना,प्रोजेक्ट हाथी,मत्स्य पालन अधिनियम 1897,भारतीय वन अधिनियम 1927खनन और खनिज विकास विनियमन अधिनियम 1957 पशुओं के प्रति क्रूरता कीरोकथाम 1960, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972, जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1974, वन संरक्षण अधिनियम 1980, वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1981, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 जैविक विविधता अधिनियम 2002, आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन नियम 2010 इत्यादि बनें हैं।

साथियों बात अगर हम मां पृथ्वी की करें तो, पृथ्वी ने हमें पानी, हवा, मिट्टी, खनिज, पेड़, जानवर, भोजन आदि जैसी जीने के लिए बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान की हैं, इसलिए हमें प्रकृति को स्वच्छ और स्वस्थ रखना चाहिए। औद्योगिक विकास और कई अन्य कारक भी प्रकृति की बिगड़ती स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। हम जो भी करते हैं, वह दुनिया को प्रभावित करता है, क्योंकि दुनिया एक है और किसी तरह एक साथ जुड़ी हुई है, इसलिए जरूरी है पर्यावरण संरक्षण- प्रकृति का संरक्षण बहुत आवश्यक है। यहां तक कि वैज्ञानिकों ने भी हमें निकट भविष्य में बड़े पैमाने पर विलुप्ति को लेकर चेतावनी दी है। प्रकृति के बारे में कई शोधों से पता चला है कि संसाधन बर्बाद हो रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण दिन-प्रतिदिन तापमान में वृद्धि हो रही है। तूफान और समुद्र का स्तर भी बढ़ रहा है और मीठे पानी के ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे जान का खतरा है। हम प्राकृतिक संसाधनों के साथ एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। ऐसे में दिन प्रतिदिन बिगड़ते पर्यावरण को लेकर चुनौती यह है कि सतत विकास को प्राप्त करने के लिए प्रकृति को कैसे संरक्षित किया जाए।

साथियों बात अगर हम प्रकृति संरक्षण के अर्थ की करें तो गिफोर्ड पिंचोट के अनुसार, संरक्षण का अर्थ मानव संसाधन की स्थायी भलाई के लिए पृथ्वी और उसके संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग से हैं। पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों में हवा, खनिज, पौधे, मिट्टी, पानी और वन्यजीव शामिल हैं।संरक्षण इन संसाधनों की देखभाल और सुरक्षा है ताकि इन्हें आने वाली पीढ़ी के लिए संरक्षित किया जा सके।

साथियों इस दिन का उद्देश्य विश्व को स्वस्थ रखने के लिए पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करना है। साथ ही पौधों और जानवरों को बचाना, जो विलुप्त होने के कगार पर हैं। प्रकृति के विभिन्न घटकों जैसे वनस्पतियों और जीवों, ऊर्जा संसाधनों, मिट्टी के पानी और हवा को बरकरार रखना है। साथियों बात अगर हम प्रकृति के संरक्षण के महत्व की करें तो, प्रकृति हमें हमारी दैनिक जरूरतों के लिए सभी आवश्यक चीजें प्रदान करती है।अधिक जनसंख्या और मानवीय लापरवाही के कारण हम अपने संसाधनों का अत्यधिक दोहन करने लगे। अगर ऐसा ही चलता रहा तो हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए कोई संसाधन नहीं बचेगा संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता है पारिस्थितिक संतुलन का समर्थन करके जीवन का समर्थन करना यह सुनिश्चित करने के लिए कि आने वाली पीढ़ियां संसाधनों तक पहुंच सकें, जैव विविधता के संरक्षण के लिए मानव जाति के जीवित रहने को सुनिश्चित करने के लिए ज़रूरी हैं।

नहुष का पतन

मत्त-सा नहुष चला बैठ ऋषियान में व्याकुल से देव चले साथ में,
विमान में पिछड़े तो वाहक विशेषता से भार की अरोही अधीर हुआ प्रेरणा से मार की

दिखता है मुझे तो कठिन मार्ग कटना अगर ये बढ़ना है तो कहूँ मैं किसे हटना ? बस क्या यही है बस बैठ विधियाँ गढ़ो ? अश्व से अडो ना अरे, कुछ तो बढ़ो, कुछ तो बढ़ो

बार बार कन्धे फेरने को ऋषि अटके आतुर हो राजा ने सरौष पैर पटके क्षिप्त पद हाय ! एक ऋषि को जा लगा सातों ऋषियों में महा क्षोभानल आ जगा

भार बहे, बातें सुने, लातें भी सहे क्या हम तु ही कह क्रूर, मौन अब भी रहें क्या हम पैर था या सांप यह, डस गया संग ही पमर पतित हो तु होकर भुंजग ही

राजा हतेज हुआ शाप सुनते ही काँप मानो डस गया हो उसे जैसे पिना साँप श्वास टुटने-सी मुख-मुद्रा हुई विकला हा ! ये हुआ क्या ?यही व्यग्र वाक्य निकला

शार्ट न्यूज

इमामी ने पेश किया मसालों का नया ब्रांड 'मंत्रा'

लखनऊ। इमामी समूह की ब्रांडेड खाद्य निर्माण इकाई इमामी एग्रोटेक लिमिटेड, ने बुधवार को 'मंत्रा' स्पाइसेस को देश भर के घरेलू बाजार में पेश किया। कंपनी का दावा है कि राजस्थान में जयपुर स्थित आधुनिक फैक्ट्री में इन मसालों को क्रायोजेनिक ग्राइडिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए बनाया जाता है, जहाँ इन मसालों को जीरो से माइनस 50 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर पीसा जाता है। इससे इन मसालों में कुदरती तेल कम से कम 95 फीसदी तक मौजूद रहते हैं, जिससे बेहतर रंग, स्वाद और सुगंध मिलती है। दूसरी ओर बाजार में उपलब्ध मसालों को एक परंपरागत प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए पीसा जाता है, जिसमें 70 डिग्री सेल्सियस तक गर्मी होती है, जिससे इनमें 40 प्रतिशत तक ही आवश्यक तेल रह पाते हैं। नई श्रेणी की लॉन्चिंग पर इमामी एग्रोटेक के निदेशक, श्री कृष्ण मोहन न्यायपति ने कहा कि इस ब्रांड को मसालों की बेहतरीन गुणवत्ता के लिए इंटरनैशनल टेस्ट इंस्टिट्यूट ऑफ ब्रूसेल्स (यूरोप) से सुपीरियर टेस्ट अवॉर्ड मिल चुका है। इसके अलावा मंत्रा मसालों की मिश्रित वैरायटी जिपलॉक पैकिंग में आती है, जिससे लंबे समय तक इन मसालों की सुगंध और गुणवत्ता बरकरार रहती है।

देवरिया में दो अभियंताओं का वेतन रोका

देवरिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में देरी करने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को अधिशासी अभियंता जल निगम तथा सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी का वेतन रोकने का निर्देश दिया है। आधिकारिक प्रवक्ता ने यहां बताया कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन में विलंब करने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम प्रमोद कुमार गौतम और सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी एस ए अब्बास का वेतन बाधित करने के साथ ही स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के निर्देशों का समय से अनुपालन प्रत्येक दशा में किया जाए। इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारी व कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नागेंद्र कुमार सिंह ने उच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में प्रतिवेदन निस्तारण में विलंब करने के लिए सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी एसए अब्बास तथा अधिशासी अभियंता जल निगम प्रमोद कुमार गौतम का जुलाई माह का वेतन बाधित किया गया है। साथ ही इनसे स्पष्टीकरण भी तलब किया गया है। जवाब संतोषजनक न होने की स्थिति में अग्रेत्तर कार्रवाई की जाएगी।

खेत में लगे तार में उतरा करंट, दो मरे

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के चांदा क्षेत्र में अवारा जानवरों से बचाने के लिए खेत में लगाए गए तार में बुधवार सुबह करंट आ जाने से एक बालिका समेत तीन लोग झुलस गए। इनमें बालिका समेत दो की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तमरसेपुर गांव में एक किसान ने अपनी फसल को जानवरों से बचाने के लिए खेत के चारो तरफ बिजली का तार लगा रखा था जिसमें सुबह करंट उतर गया। इस बीच खेत देखने पहुंचे राम अनुज तिवारी (55) खुद उसकी चपेट में आ गए। उसी समय खेत की तरफ से गुजर रही बालिका मुस्कान (17) ने तिवारी को तड़पता देख उन्हें बचाने के लिए खींचने का प्रयास किया तो वह भी करंट की चपेट में आ गई। इस बीच अचानक पहुंचे तमरसेपुर के राम अवतार तिवारी ने दोनों को तड़पता देख हल्ला गुहार मचाया और खुद छुड़ाने का प्रयास किया। जिसमें वह भी करंट की चपेट में आकर झुलस गए। शोर शराबे के बाद पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह उन्हें करंट से छुड़ाकर अलग किया। करंट से झुलसे तीनों लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैचा पहुंचाया गया। पर्याप्त व्यवस्था के अभाव में तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल जाते समय रास्ते में ही राम अनुज तिवारी व बालिका मुस्कान गौतम ने दम तोड़ दिया। करंट की चपेट में आकर तीसरे झुलसे व्यक्ति राम अवतार तिवारी फिलहाल खतरे से बाहर बताए जा रहे है। उनका इलाज जारी है।

सहारनपुर के किसान ने एक हेक्टेयर में की 1506 क्विंटल गन्ने की पैदावार

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक प्रगतिशील किसान ने प्रति हेक्टेयर 1506.0 क्विंटल गन्ने की पैदा कर क्षेत्रीय गन्ना प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि क्षेत्रीय गन्ना प्रतियोगिता पौधा संवर्ग 49 किसानों ने आवेदन किया था और गन्ना विभाग ने 42 किसानों के यहां गन्ने की कटाई कराकर उनकी पैदावार का आंकलन किया। इस प्रतियोगिता में गांव महेशपुर निवासी किसान सतीश ने प्रति हेक्टेयर 1506.50 क्विंटल गन्ना पैदाकर पहला स्थान हासिल किया। उप गन्ना आयुक्त डा. दिनेश्वर मिश्र ने बताया कि महेशपुर गांव का ही दूसरा किसान अमित कुमार ने 1498.50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर गन्ने का उत्पादन किया और दूसरे स्थान पर रहा। गांव अलीपुरा निवासी सेठपाल ने प्रति हेक्टेयर 1488. 50 क्विंटल गन्ना पैदा किया और तीसरे स्थान पर रहा। डा. मिश्र ने कहा कि इन तीनों किसानों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हालांकि ये मंडलीय प्रतियोगिता थी जिसमें पहले तीनों स्थान सहारनपुर जिले के ही रहे। प्रतियोगिता में तीस किसानों ने आवेदन किया था और गन्ना विभाग ने 14 किसानों के यहां गन्ने की कटाई कराकर प्रति हेक्टेयर हुई गन्ने की पैदावार की जानकारी लेने का काम किया।

लाइटनिंग सेफ्टी प्रोग्राम रोकेगा आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ऐसा सिस्टम विकसित करने पर जोर दे रही है जिससे आकाशीय बिजली का भी समय रहते सटीक अनुमान लगाकर लोगों को अलर्ट कर उन्हें क्षति से बचाया जा सके। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मौसम विभाग के सिस्टम के जरिये आंधी-तूफान, भारी बारिश आदि को लेकर सही पूर्वानुमान होने से लोग पहले से अलर्ट हो जाते हैं। इससे पहले की अपेक्षा मानव, पशु, सामान आदि की होने वाली क्षति में काफी कमी आई है। अब सरकार ऐसा सिस्टम विकसित करने पर जोर दे रही है जिससे आकाशीय बिजली का भी समय रहते सटीक अनुमान लगाकर लोगों को अलर्ट कर उन्हें क्षति से बचाया जा सके। उन्होने बताया कि आकाशीय बिजली से बचाव के संबंध में देश के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई तकनीक उपलब्ध है। सरकार का मानना है कि इस तकनीक का उपयोग कर आकाशीय बिजली की आशंका वाले क्षेत्रों के नागरिकों को पहले से सतर्क कर उनकी जीवन रक्षा की जा सकती है। इसी तकनीकी के तहत दामिनी ऐप विकसित किया गया है। सरकार इस मोबाइल ऐप के प्रति लगातार लोगों को जागरूक कर रही है। इससे समय रहते लोगों को क्षेत्रवार आकाशीय बिजली गिरने के बारे में जानकारी मिल जाएगी और लोग उन स्थानों पर खुद जाने से और पशुओं को जाने देने से बचेंगे। साथ ही वहां कोई सामान होने की दशा में उसे समय रहते अन्यत्र हटा देंगे।

आईआईटी और बीआईटी ने हड्डी के इलाज के लिए विकसित की दवा वितरण प्रणाली

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर और बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), मेसरा ने संयुक्त रूप से एक नई दवा वितरण प्रणाली विकसित की है जो रोगग्रस्त और घायल हड्डियों के उपचार को बढ़ावा देने के लिए फाइटो-बायोएक्टिव्स के वितरण को सक्षम बनाती है। टीम का नेतृत्व प्रोफेसर अशोक कुमार जैविक विज्ञान और जैव इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी कानपुर) और डॉ स्नेहा सिंह (बीआईटी मेसरा) ने किया था। उन्होने बताया कि फाइटो-बायोएक्टिव्स पौधों द्वारा उत्पादित प्राकृतिक रसायन हैं जो मनुष्यों के लिए स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। रोगग्रस्त और घायल हड्डियों के उपचार के लिए पारंपरिक चिकित्सा में फाइटो-बायोएक्टिव्स का उपयोग किया जाता रहा है। विकसित वितरण प्रणाली इन फाइटो-बायोएक्टिव्स को हड्डी की बीमारी या चोट के स्थान पर ले जाने में मदद करेगी। वितरण प्रणाली को नैनो-हाइड्रॉक्सीपैटाइट के उपयोग के लिए नई तकनीक का उपयोग करके बनाया गया है, जो दांतों और हड्डियों को फिर से बनाने और मरम्मत करने में मदद करने के लिए जाना जाता है।

यूपी में एक साल तक बंद रहेंगे ईंट-भट्ठे

कोयले की कीमतों और जीएसटी से नाराज भट्ठा मालिकों ने लिया फैसला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आने वाले समय में मकान बनाना महल बनाने जितना महंगा होने वाला है क्योंकि ईंट के दाम आसमान छूने वाले हैं। दरअसल प्रदेश में एक साल तक ईंट-भट्टे बंद रहने वाले हैं। दरअसल ब्रिक्स एसोसिएशन ईंटों पर जीएसटी बढ़ाए जाने से नाराज है। एसोसिएशन ने कोयले की कीमतों में 200 से 300 फीसदी की बढ़ोतरी और जीएसटी में बढ़ोतरी के बाद ईंट भट्टों को एक साल के लिए बंद करने का फैसला किया है। दरअसल यूपी को हर साल 12 लाख टन कोयला मिलता था लेकिन पिछले चार साल में सिर्फ 76,000 टन कोयला ही मिला है। इसके अलावा विदेशों से आने वाला कोयला भी बहुत महंगा हो

गया है। वहीं दूसरी तरफ यूपी ब्रिक्स एसोसिएशन को सरकारी और अर्ध-सरकारी निर्माणों में लाल ईंटों पर आंशिक प्रतिबंध का सामना करना पड़ रहा है। यूपी ब्रिक्स एसोसिएशन का कहना है कि कोयले की कीमत में 350 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। ब्रिक्स एसोसिएशन का कहना है कि लेबर कॉन्ट्रेक्ट पर जीएसटी 5 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया है। एसोसिएशन के मुताबिक केंद्र सरकार नई रणनीति बना रहै हि जसमें ताप विद्युत संयंत्रों की राख से ईंटें बनाने की योजना है जिसके तहत एक ओर जीएसटी को कम किया गया है। वहीं दूसरी तरप दिशानिर्देश जारी किए गए हैं कि 20 हजार वर्ग फुट से ज्यादा के भवन निर्माण और सरकारी निर्माण में राख से बनी ईंटों का प्रयोग अनिवार्य होगा।

यही कारण है कि ब्रिक्स एसोसिएशन ने राज्य और देश में एक साल के लिए ईंट भट्ठों को बंद कर हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। एसोसिएशन ने यूपी में अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक ईंट भट्ठों को बंद रखने और हड़ताल पर जाने का फैसला किया गया है। ब्रिक्स एसोसिएशन के मुताबिक यूपी में 19 हजार ईंट के भट्टे हैं, जो एक साल तक बंद रहेंगे। इसका सीधा असर मकान बनाने वाले लोगों पर पड़ेगा यानी आने वाले समय में ईंट की कीमत आसमान छू सकती है।

श्रमजीवी एक्सप्रेस विस्फोट कांड की 17वीं बरसीं आज

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में 17 साल पहले श्रमजीवी एक्सप्रेस में हुए आतंकवादी हमले के आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। तत्कालीन रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव के आश्वासन के बावजूद इस हादसे में मरने वालों के परिजन अब भी रेलवे में नौकरी मिलने की बाट जोह रहे हैं। इस हमले की 17 वीं बरसी 28 जुलाई को है। जिले के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बुधिराम यादव ने इस मामले में दो आरोपी आतंकवादियों क्रमश: आलमगीर उर्फ रोनी को 30 जुलाई 2016 और ओबेदुर्रहमान उर्फ बाबू भाई को 31 अगस्त 2016 को फांसी की सजा तथा 10 -10 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनायी। शेष दो आरोपियों नफीकुल विश्वास व हिलालुद्दीन उर्फ हिलाल के मामले में सुनवाई अब भी जारी है। 28 जुलाई 2005 को पटना से नई दिल्ली जाने वाली श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन के सामान्य डिब्बे में आतंकवादी धमाका हुआ था। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के हरपालगंज (सिंगरामउ) व कोइरीपुर (सुल्तानपुर) रेलवे स्टेशनो के बीच हरिहरपुर रेलवे क्रासिंग पर श्रमजीवी एक्सप्रेस में हुए भीषण बम विस्फोट में 14 लोग मारे गये और कम से कम 90 लोग घायल हो गये थे। इस हमले में शैफफैजल, कुनाल, सुधीर कुमार, परमशिला , विनोद, रविदास, कमालुद्दीन, सुबास ठाकुर, कुमारी कविता, सुबोध बढ़ई, अरविन्द सिंह, संतोष, दिगम्बर चौधरी, सफीक उर्फ डब्बू और अमरनाथ चौबे की जाने गयी थी।

एक दिन में बनी बुंदेलखंड के विशिष्ट कृषि उत्पादों की मॉडल वाटिका

एजेंसी

झांसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर शुरु हुयी महत्वाकांक्षी योजना 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) के तहत हर क्षेत्र के विशिष्ट उत्पादों को विश्व फलक पर लाने के क्रम में बुंदेलखंड के विशिष्ट कृषि उत्पादों के पौधों की एक मॉडल वाटिका बुधवार को मंडलायुक्त कार्यालय में स्थापित की गयी।

इसकी खास बात यह रही कि झांसी के मंडल आयुक्त डा अजय शंकर पाण्डेय के निर्देश उद्यान विभाग के युवा उप निदेशक की टीम ने महज 24 घंटे के भीतर एक दर्जन से अधिक विशिष्ट कृषि उत्पादों की उद्यान वाटिका बना कर तैयार कर दी। इसके लिये मंडल आयुक्त ने उप निदेशक विनय यादव को उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली के लिये प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया।

डा पाण्डेय ने बुंदेलखंड के किसानों को समृद्ध बनाने में यहां के विशिष्ट कृषि उत्पादों को ओडीओपी का हिस्सा बनाने की पहल के तहत इस तरह की एक मॉडल वाटिका मंडल आयुक्त कार्यालय में बनाने का मंगलवार को सुझाव दिया था।

लापता बच्ची को एक घंटे में पुलिस ने खोज निकाला

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में लापता हुई पांच साल की एक बच्ची को खोजने के लिये पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान चला कर बच्ची को मात्र एक घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर परिजनों सुपुर्द कर दिया। बुलंदशहर के अपर पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह ने बताया कि जनपद हापुड़ के थाना हाफिजपुर अंतर्गत ग्राम बड़ौदा निवासी सोहेल ने बुधवार को बुलंदशहर के गुलावठी थाने में अपनी 5 वर्षीय पुत्री जिया के गुम होने की सूचना दी।

गोरखपुर में आठवीं की छात्रा ने की खुदकुशी

गोरखपुर। गोरखपुर में रविवार को आठवीं कक्षा की एक छात्रा ने आत्महत्या कर लिया। पुलिस ने जब शव का पोस्टमार्टम करवाया तो चौंकाने वाली बात सामने आई। दरअसल पोस्टमार्टम रिपोर्ट में छात्रा के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। माना जा रहा है कि युवती ने इसी के चलते ऐसा कदम उठाया। लड़की के गर्भवती होने की खबर मिलने के बाद मृतक युवती की मां ने एक आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। मृतक युवती की मां का आरोप है कि उनकी बेटी को एक युवक अक्सर परेशान करता था और उसका पीछा किया करता था। मृतक युवती की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है।

सोमवार को एसएसपी गौरव ग्रोवर ने लड़की की मां से उसके घर पर मुलाकात कर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। रिपोर्ट के अनुसार पिपराइच इलाके का रहने वाला अच्छालाल जमानत पर बाहर आया था और वो अक्सर उस लड़की को छेड़ता था। रविवार को मृतक युवती की मां डॉक्टर के पास गई थी, जबकि उसका छोटा भाई किसी काम से बाहर गया था और लड़की घर पर अकेली थी। शाम को जब मां लौटी तो उसने बच्ची को छत से लटका पाया।

मां ने पुलिस को बताया कि वह जानती थी कि अच्छेलाल उनकी बेटी को छेड़ता था लेकिन उसे उसके गर्भवती होने की जानकारी नहीं थी। लड़की के पिता की 2011 में मृत्यु हो गई थी और उसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। अच्छेलाल के खिलाफ दुष्कर्म, लूट, धोखाधड़ी और चोरी जैसे अपराध के 18 मामले दर्ज हैं और वह एक साल पहले लूट के एक मामले में जमानत पर छूटकर आया था। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसएसपी ग्रोवर ने कहा- यदि मामले में पुलिस की कोई लापरवाही पाई जाती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

देवरिया में मार्निंग वॉक पर निकले व्यवसायी का अपहरण

पुलिस ने 10 घंटे के अंदर बिहार के सिवान से किया बरामद

देवरिया। यूपी के देवरिया में एक व्यवसायी का दिन दहाड़े अपहरण हो गया। व्यवसायी ने खुद अपने मोबाइल से अपनी पत्नी को फोन कर इसकी जानकारी दी। बुधवार की सुबह वह टहलने निकला था। वहीं से गायब हो गया। पुलिस इस मामले में तुरंत एक्टिव हो गई। जगह-जगह छापामारी होने लगी। 10 घंटे के अंदर व्यवसायी को बिहार के सिवान में बरामद कर लिया गया।

व्यवसायी के अपहरण की जानकारी मिलते ही एसपी संकल्प शर्मा ने बघौचघाट थाने पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली। सीओ सदर श्रीयश

त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम व्यवसायी की बरामदगी के लिए जुट गई थी।

बघौचघाट थाना क्षेत्र के पकहा टोला नौगांवा निवासी मनोज कुशवाहा (33) पुत्र सुदर्शन कुशवाहा की बघौचघाट कस्बे में रेडीमेड की दुकान है। वह रोजाना अपने गांव से मुख्य सड़क पर टहलते हैं। रोजाना की तरह बुधवार को सुबह टहलने निकले। लेकिन 9:00 बजे तक घर वापस नहीं आए। परिजनों ने आसपास के लोगों से पूछताछ की।

करीब पौने दस बजे मनोज कुशवाहा के मोबाइल नंबर से उनकी पत्नी के नंबर पर एक कॉल आया। व्यवसायी ने पत्नी को बताया कि उसका किसी ने अपहरण कर लिया है और किसी सुनसान स्थान पर ले आए हैं। व्यवसाई के अपहरण की जानकारी मिलते ही परिजन सकते में आ गए। पिता सुदर्शन कुशवाहा, ग्राम प्रधान और दर्जनों लोगों के साथ तत्काल बघौचघाट थाने पहुंच गए।

परिजनों ने मनोज के अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस को जानकारी दी। थानाध्यक्ष उपेंद्र मिश्र ने मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी।

घंटे भर बाद ही पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा बघौचघाट थाने पहुंच गए। उन्होंने परिजन ग्रामीणों और पुलिस कर्मियों से मामले की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ छामामारी शुरू कर दी। 10 घंटे के अंदर व्यवसायी को सिवान से बरामद कर लिया गया।

पत्नी की हत्या के आरोप में युवक को उम्रकैद की सजा

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने पत्नी की हत्या के आरोपी पति को उम्र कैद और 20 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनायी है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) राजीव मलिक ने बताया कि मृतका की मां ओमवती देवी ने अदालत के आदेश पर नगर कोतवाली के मोहल्ला कोठियात निवासी अपने दामाद मनोज पर बेटी अनु बंसल की जलाकर हत्या करने का मुकदमा दर्ज कराया था। रिपोर्ट में ओमवती देवी ने तहरीर में बताया कि बेटी अनु की साल 2000 में मनोज से शादी की थी। अनु ने दो बेटियों को जन्म दिया था। बेटा नहीं होने से मनोज ने अनु को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था।

आरोपी मनोज ने 14 जून 2016 को जिंदा जला दिया था। दिल्ली के एक अस्पताल में एक सप्ताह बाद अनु ने दम तोड़ दिया था।

अपर सत्र न्यायधीश विवेक कुमार ने दोनों पक्षों के अधिवक्ता की बहस सुनने व पत्रावली पर मौजूद साक्ष्यों के आधार पर मनोज को हत्या का दोषी पाया।

मथुरा : गोमांस बिक्री की सूचना पर पहुंचे गोरक्षकों पर पथराव

मथुरा। यूपी के मथुरा में सदर थाना क्षेत्र के औरंगाबाद के मेवाती मोहल्ले में गोमांस बिक्री की सूचना पर पहुंचे गोरक्षकों पर पथराव हो गया। विवाद की शुरुआत एक मकान को खुलवाने के दौरान हुई। वहां दरवाजे पर धक्का मुक्की के दौरान हंगामा हो गया। इस दौरान कुछ लोगों ने गो रक्षकों पर पथराव कर दिया। घिर जाने पर गोरक्षकों को पिस्टल से फायरिंग करते हुए भागना पड़ा। इससे क्षेत्र में दहशत फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कारतूस के करीब आधा दर्जन खोखा बरामद किये हैं। एहतियातन वहां पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बुधवार सुबह गोरक्षक दल के सदस्यों को औरंगाबाद के मेवाती मोहल्ले में एक घर में गोमांस बिक्री की सूचना मिली। इस पर करीब दो दर्जन गोरक्षक दल के सदस्य बाइक और चौपहिया वाहन से मेवाती मोहल्ला पहुंचे गये। वहां गली में जाकर उन्होंने मकान के दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया। यह देख उस घर में मौजूद महिला-पुरुषों ने शोर मचा दिया तो गली के लोग एकत्र हो गए और हंगामा हो गया।

कुछ लोगों ने छतों से पथराव शुरू कर दिया। खुद को घिरा देख गोरक्षक दल कार्यकर्ताओं में से किसी ने अपनी पिस्टल से बचाव को फायरिंग कर दी और वहां से भाग निकले। हंगामे, पथराव और फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक सदर अजय किशोर ने उच्चाधिकारियों को सूचना दे मौके पर पहुंचे। एसपी सिटी मार्तण्ड प्रकाश सिंह, सीओ सिटी अभिषेक तिवारी भी पहुंच गये। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से कई थानों से काफी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया।

सऊदी अरब से गबन करके भागा बदमाश कुशीनगर में गिरफ्तार

कुशीनगर। सऊदी अरब से एक करोड़ 85 लाख रुपये का गबन करके भागे एक वांछित बदमाश को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में पुलिस ने एसटीएफ की मदद से मंगलवार रात को गिरफ्तार कर लिया। पिछले तीन महीने से बिहार में छिपे आरोपी पिपरहिया निवासी रफीक शाह को कसया थाना पुलिस ने पकड़ लिया। इस संबंध में कसया थाना प्रभारी डॉ. आशुतोष कुमार ने बताया कि न्यायालय के वारंट पर रफीक को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रफीक के खिलाफ कार्रवाई के लिए सउदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजा था। जिले के कसया थाना क्षेत्र के वीर अब्दुल हमीद नगर (पिपरहिया) निवासी ताहिर और सऊदी अरब के नागरिक हसन रवि अल सामेरी व्यावसायिक दोस्त हैं।

यूपी के दो लाख बिजली उपभोक्ताओं पर कार्रवाई की तैयारी, विभाग ने तैयार की लिस्ट

बरेली। यूपी के कुछ बिजली उपभोक्ता बिजली विभाग के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। या यूं कहें कि इन उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग की नाक में दम कर दिया है। इन उपभोक्ताओं ने कनेक्शन तो ले लिया लेकिन आज तक एक बार भी बिल जमा नहीं किया और धड़ल्ले से बिजली का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे उपभोक्ताओं की विभाग ने अब लिस्ट तैयार कर ली है। मामला बरेली का है। यहां के ग्रामीण क्षेत्र के करीब दो लाख बिजली उपभोक्त ऐसे हैं जो बिजली निगम को करीब 25 करोड़ रुपये का हर महीने नुकसान पहुंचा रहे हैं। अब शासन ने ऐसे उपभोक्ताओं के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया है और उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी है।

बरेली देहात में करीब 5 लाख उपभोक्ता हैं। बिजली निगम की तरफ से हर माह देहात के उपभोक्ताओं के

लिए करीब 60 करोड़ का बिल बनाया जाता है। इसमें हर माह बमुश्किल 34-35 करोड़ ही जमा होता है। चौकाने वाली बात यह है कि करीब 40 फीसदी उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने आज तक बिजली निगम को एक बार भी बिल जमा नहीं किया है। कनेक्शन लिया तो फिर वापस कभी बिजली घर गए ही नहीं। इसके चलते हर माह बिजली निगम को देहात से ही 24-25 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। कभी बिजली का बिल जमा नहीं करने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है। निगम का प्रयास है कि कम से कम एक तिहाई उपभोक्ताओं से बिल वसूला जाए या उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

सीबीगंज और किला इलाके में मंगलवार को बिजली आपूर्ति से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। सीबीगंज उपकेंद्र से जुड़े एक ट्रांसफार्मर की मरम्मत के चलते कई फीडर प्रभावित रहे। बीते सोमवार की रात से लेकर मंगलवार शाम तक इलाके में बिजली सप्लाई प्रभावित हुई।

लोकल फाल्ट और ट्रिपिंग के चलते शहर से लेकर देहात तक लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। सुभाषनगर में बिजली के तार में फाल्ट आने की वजह से करगैना, शांतिविहार कालोनी, बीडीए कालोनी, मढ़ीनाथ समेत अन्य इलाके प्रभावित रहे। लोकल फाल्ट, मरम्मत कार्य की वजह से सप्लाई कई बार ट्रिप हुई।

पूर्वांचल में बिन बारिश ही गंगा में उफान, दोगुनी रफ्तार से बढ़ने लगी नदी

वाराणसी। वाराणसी समेत पूर्वांचल का इलाका अभी सामान्य बारिश के लिए तरस रहा है। इसके बाद भी गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ाव ने उफान का रूप ले लिया है। बिन बारिश ही गंगा में हो रहे तेज बढ़ाव को पहाड़ी और चंबल इलाके में हुई बारिश का नतीजा बताया जा रहा है। गंगा में बढ़ाव की रफ्तार भी दोगुनी हो चुकी है।

जलस्तर में चार सेंमी प्रति घंटा की दर से बढ़ाव होने लगा है। इसके पहले गंगा दो सेंमी की रफ्तार से बढ़ रही थीं। पर्वतीय और अपस्ट्रीम के क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से चल रही तेज बारिश के चलते बनारस की गंगा में दबाव बढ़ा है। बुधवार की सुबह जलस्तर 63.80 मीटर पर पहुंच गया था। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार, फिलहाल जलस्तर में वृद्धि जारी

रहेगी। गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि के चलते तुलसी घाट समेत कई घाटों का आपस में संपर्क टूट गया है। हरिश्चंद्र घाट के श्मशानस्थल से कुछ ही दूरी पर गंगा की लहरें हैं। बढ़ाव की रफ्तार को देखते हुए बुधवार तक श्मशानस्थल तक पानी पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। दशाश्वमेध घाट पर गंगा की दैनिक आरती ऊपर की सीढ़ियों पर हुई। उधर, दुस्साहसी नाविकों ने अभी गंगा में नौका संचालन बंद नहीं किया है। मंगलवार को भी यात्रियों से भरी नावें चलती दिखीं।

खिड़किया घाट के प्लेटफार्म तक पानी

नवनिर्मित नमो घाट के प्लेटफार्म को जलस्तर छूने लगा है। देर शाम वहां पहुंचे पर्यटकों को तट की ओर से न जाने की हिदायत दी जा रही थी। निजी सुरक्षा गार्ड लोगों को रोकने के लिए तैनात रहे।

ढाब क्षेत्र की चिंता बढ़ी

चिरईगांव ब्लॉक में गंगा किनारे बसे ढाब क्षेत्र के लोगों की भी चिंताएं बढ़ गई हैं। गंगा में बाढ़ आने पर यहां के लगभग आधा दर्जन टापूनुमा गांवों की दिनचर्या सबसे पहले प्रभावित होती है। इन गांवों से रोज बड़ी मात्रा में सब्जियां और दूध शहर में आता है। आजीविका के इस माध्यम पर भी असर पड़ेगा

चंदौली में मन्दिर डूबा, घाट के ऊपर चढ़ रहा पानी

चहनियां। गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार की रात में करीब 24 सेंटीमीटर जलस्तर बढ़ा है। बलुआ घाट पर बना गंगा जी का मन्दिर पूरी तरह से डूब गया है। अब पानी महिला चेंजिंग रूम की तरफ बढ़ रहा है। इससे तटवर्ती गांवो के ग्रामीणों में दहशत ब्याप्त है।

गंगा अब अपना रौद्र रूप दिखाने लगी है। गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार को रात भर में करीब 24 इंच और जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है।

दो विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि बढ़ाई गयी

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की मांग पर दो जोड़ी विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की अवधि बढ़ाने का फैसला किया है। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि 29 जुलाई तक चलायी जा रही 01025 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - बलिया त्रिसाप्ताहिक विशेष गाड़ी की संचलन अवधि का विस्तार 30 सितंबर तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को 27 फेरों के लिये तथा 31 जुलाई तक चलायी जा रही 01026 बलिया-लोकमान्य तिलक टर्मिनस त्रिसाप्ताहिक विशेष गाड़ी की संचलन अवधि का विस्तार 30 सितंबर तक प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को 27 फेरों के लिये किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 31 जुलाई तक चलायी जा रही 01027 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर साप्ताह में 04 दिन चलने वाली विशेष गाड़ी की संचलन अवधि का विस्तार 02 अक्टूबर तक प्रत्येक मंगलवार, वृहस्पतिवार, शनिवार एवं रविवार को 36 फेरों के लिये तथा पूर्व से 02 अगस्त तक चलायी जा रही 01028 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताह में 04 दिन चलने वाली विशेष गाड़ी की संचलन अवधि का विस्तार आगामी 27 सितंबर तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को 36 फेरों के लिये किया जायेगा।

शार्ट न्यूज

सोना और चांदी में नरमी

मुंबई। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी में नरमी रही। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.15 प्रतिशत की गिरावट लेकर 1714.99 डॉलर प्रति औंस रह गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 1717.70 डॉलर प्रति औंस पर सपाट रहा।इस दौरान चांदी हाजिर 0.16 प्रतिशत फिसलकर 18.57 डॉलर प्रति औंस बोली गई। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 40 रुपये की गिरावट लेकर 50544 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 22 रुपये उतरकर 50590 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 293 रुपये टूटकर 54422 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 246 रुपये सस्ती होकर 55180 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपया 13 पैसे लुढ़का

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक में ब्याज दरों में बढ़ोतरी किये जाने की संभावना को लेकर डॉलर के 20 साल के उच्चतम से नीचे उतरने के बावजूद आयातकों और बैंकरों की लिवाली से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 13 पैसे लुढ़ककर 79.91 रुपये प्रति डॉलर रह गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया 79.78 रुपये प्रति डॉलर पर सपाट रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया पांच पैसे की बढ़त लेकर 79.830 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही दिवस को उच्चतम स्तर भी रहा। हालांकि लिवाली के दबाव में यह 79.92 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 79.78 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 13 पैसे गिरकर 79.91 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया।

डॉ. रेड्डीज लैब्स ने अमेरिकी बाजार में बोर्टेजोमिब इंजेक्शन किया पेश

हैदराबाद। डॉ.रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड ने बुधवार को अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) द्वारा स्वीकृत वहां के बाजार में 3.5 मिलीग्राम बोर्टेजोमिब इंजेक्शन को पेश किया। यह इंजेक्शन वेल्केड (बोर्टेजोमिब) इंजेक्शन के समकक्ष है। हैदराबाद स्थित फार्मा कंपनी ने एक बयान में कहा कि मई 2022 में समाप्त हुए हाल के 12 महीनों के लिए वेल्केड ब्रांड और जेनेरिक की अमेरिका में लगभग 1.2 अरब एमएटी की बिक्री हुई थी। डॉ. रेड्डीज इंजेक्सन के लिए बोर्टेजोमिब की 3.5 मिलीग्राम के लिए 10 मिलीग्राम की सिंगल डोज की आपूर्ति करती है।

मारुति सुजुकी का तिमाही शुद्ध लाभ 129.76 के जबरदस्त उछाल के साथ 1,012.80 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी का वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ वार्षिक आधार पर 129.76 प्रतिशत के बड़े उछाल के साथ 1,012.80 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 440.80 करोड़ रुपये था। मारुति सुजुकी ने बुधवार को जारी तिमाही परिणामों में बताया कि आलोच्य तिमाही में कंपनी को 50.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,286.30 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ जो 30 जून 2021 को समाप्त हुयी तिमाही में 16,798.70 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने 4,67,931 वाहनों की बिक्री की जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,53,614 वाहन बिके थे। इस तिमाही में कंपनी का परिचालन मार्जिन 0.45 प्रतिशत सुधरकर पांच प्रतिशत पर आ गया। मारुति सुजुकी ने कहा, इस तिमाही में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कमी के कारण लगभग 51,000 वाहनों का उत्पादन नहीं हुआ। तिमाही के अंत में ग्राहकों के लगभग 2,80,000 वाहनों के ऑर्डर लंबित थे। कंपनी इन ऑर्डरों को जल्द पूरा करने का प्रयास कर रही है।

निप्पोन पेंट ने एयरकेयर वीजी और सूमो एक्स्ट्रा डस्ट शील्ड किया लॉन्च

नयी दिल्ली। पेंट निर्माता निप्पोन पेंट (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड ने एयरकेयर वीजी और और सूमो एक्स्ट्रा डस्ट शील्ड का लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि एयरकेयर वीजीइंटीरियर सतहों के लिए है और इसमें सिल्वर आयन और यूनिकएब्ज़ॉर्पशन टेक्नॉलॉजी है, जो घर के अंदर के वातावरण को सुरक्षित व स्वच्छ बनाने में मदद करती है। सूमो एक्स्ट्रा डस्ट शील्ड को वाटर-बेस्ड एक्सटीरियर इमल्शन के साथ कलर लॉक टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल करके बनाया गया है। यह सालों तक दीवारों को चमकदार और स्वच्छ बनाकर रखता है। निप्पोन पेंट के सभी उत्पाद ईको-फ्रेंडली हैं और जापानी टेक्नॉलॉजी द्वारा बनाए गए हैं। कंपनी के डेकोरेटिव डिवीज़न के अध्यक्ष महेश एस. आनंद ने कहा, ''निप्पोन पेंट आपकी दीवारों की सुरक्षा करने और उनकी खूबसूरती बढ़ाने वाले ईकोफ्रेंडली उत्पादों व सेवाओं का विकास कर पेंट उद्योग में क्रांति ला रहा है। एयरकेयर वी जी और सुमो एक्स्ट्रा डस्ट शिल्ड के लॉन्च के साथ हम पेंट में अद्वितीय इनोवेशन लाते रहेंगे।

एचएमएसआई ने आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को मोटरसाइकिल का शुरू किया निर्यात

नयी दिल्ली। दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी होण्डा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज अपनी 125 सीसी मोटरसाइकल एसपी125 को ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैण्ड निर्यात करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि मोटरसाइकल को सीबीयू रूट के ज़रिए निर्यात किया जाएगा और इसे इन बाज़ारों में 'सीबी 125एफ' के नाम से बेचा जाएगा। एसपी125 की तकरीबन 250 युनिट का शिपमेन्ट 22 जुलाई से ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैण्ड को रवाना कर दिया गया है। वर्तमान में एसपी125 का निर्माण कंपनी के अलवर (राजस्थान) स्थित तापुकारा प्लांट में किया जाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष एवं सीईओ आत्सुशी ओगाता ने कहा, भारत में अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर दुनिया भर को सेवाएं प्रदान करने की दीर्घकालिक योजनाओं के तहत एचएमएसआई ने यह कदम बढ़ाया है।

भारत, जीसीसी के बीच वित्त वर्ष 2021-22 में हुआ 154.66 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार

नयी दिल्ली। भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच वित्त वर्ष 2021-22 में 77.06 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 154.66 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। वित्त वर्ष 2020-21 में 87.35 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को लोकसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2017-18 से चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के आधार पर भारत और जीसीसी के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 10.57 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ कामर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स (डीजीसीआईएस) के आंकड़ों के अनुसार भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में बहरीन को 0.90 अरब डॉलर, कुवैत को 1.24 अरब डॉलर, ओमान को 3.15 अरब डॉलर, कतर को 1.84 अरब डॉलर, सऊदी अरब को 8.76 अरब डॉलर और संयुक्त अरब अमीरात को 28.04 अरब डॉलर का निर्यात किया है।

आइकिया गुरुवार को करेगी मुंबई में अपने तीसरे स्टोर की शुरुआत

मुंबई। दुनिया की अग्रणी स्वीडन फर्नीचर विक्रेता आइकिया गुरुवार को मुंबई में अपना तीसरा स्टोर आर सिटी मॉल में खोलने जा रही है। आइकिया इंग्का समूह का हिस्सा है। कंपनी का आइकिया आर सिटी स्टोर देश का पांचवां स्टोर है। महाराष्ट्र में 6,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना के साथ आइकिया को मुंबई स्थित स्टोरों में चार लाख लोगों को आकर्षित करने की उम्मीद है। आइकिया आर सिटी स्टोर 72,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है जो 7,000 से अधिक बेहतरीन डिजाइन, सस्ते, अच्छी गुणवत्ता और मजबूत घरेलू फर्नीचर उत्पाद और अन्य 5,000 से अधिक उत्पादों को पेश करता है जिनकी डिलीवरी की जाएंगी।

स्पाइजेट को 50 प्रतिशत उड़ानें कम करना पड़ सकता है : डीजीसीए का निर्देश

नयी दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने स्पाइसजेट की 50 प्रतिशत ग्रीष्मकालीन उड़ानों पर बुधवार को पाबंदी लगा दी। विमानन नियामक ने इस एयरलाइन की पिछले दिनों कई उड़ानों के दौरान विमानों में तकनीकी गड़बड़ी की घटनाओं के बाद यह निर्णय लिया है।

डीजीसीए ने कहा है कि यह पाबंदी 27 जुलाई से आठ सप्ताह तक लागू रहेगी। पाबंदी के दौरान डीजीसीए स्पाइजेट डीजीसीए की उड़ानों पर और अधिक निगरानी रखेगा।

डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा कि स्पाइसजेट एक सुरक्षित, कुशल और विश्वसनीय हवाई परिवहन सेवा स्थापित करने में विफल रही है।

डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा है कि हवाई परिवहन सेवा को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाए रखने के लिए स्पाइसजेट की मौके पर की गयी विभिन्न जांचों, निरीक्षणों और उसे जारी कारण बताओ नोटिसों पर उसके जवाब को देखते हुए मेसर्स स्पाइसजेट की ग्रीष्मकालीन उड़ानों की सूची में प्रस्थान की संख्या को घटाकर 50 प्रतिशत किया जा रहा है। विमान नियमावली 1937 के नियम 19ए के

अनुसार, इस आदेश के जारी होने की तारीख से आठ सप्ताह की अवधि तक के लिए यह पाबंदी लगायी गयी है।

नियामक ने कहा कि इस अवधि के दौरान इस एयरलाइन को ग्रीष्मकालीन सूची 2022 के तहत स्वीकृत प्रस्थानों की संख्या के 50 प्रतिशत से अधिक उड़ानें परिचालित करने की अनुमति तभी मिल सकती है, जब वह डीजीसीए को यह संतुष्ट करने की स्थिति में होगी कि उसके पास बढ़ी हुई उड़ानों को सुरक्षित और कुशलता से परिचालित करने के लिए पर्याप्त तकनीकी और वित्तीय संसाधन क्षमता है।

डीजीसीए के आदेश के बाद स्पाइसजेट ने कहा कि इस निर्देश का उसके उड़ान संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, हमें डीजीसीए का आदेश मिल गया है और हम नियामक के निर्देशों के अनुसार काम करेंगे। मौजूदा कम यात्रा के सीजन के कारण स्पाइसजेट ने अन्य एयरलाइनों की तरह अपने उड़ान संचालन को पहले ही पुनर्निर्धारित कर दिया था, इसलिए हमारे उड़ान संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सस्ती उड़ान सेवा प्रदान करने वाली स्पाइसजेट ने यात्रियों को आश्वासन दिया है कि आने वाले दिनों और सप्ताहों में उसकी उड़ानों का परिचालन निर्धारित समय सारिणी के अनुसार ही होता रहेगा।

प्रवक्ता ने कहा, इस आदेश के परिणाम स्वरूप कोई भी उड़ान रद्द नहीं होगी।

टाटा मोटर्स को पहली तिमाही में हुआ 5,006.60 करोड़ रुपये का घाटा

मुंबई। टाटा मोटर्स को वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में 5,006.60 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। कंपनी ने बुधवार को जारी परिणामों में बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में उसे 4,450.92 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

टाटा मोटर्स का 30 जून, 2022 को समाप्त हुयी तिमाही में समेकित आधार पर राजस्व बढ़कर 71,934.66 करोड़ रुपये रहा जो इससे पिछले वर्ष की समान तिमाही में 66,406.45 करोड़ रुपये था।

जागुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने आलोच्य तिमाही में वार्षिक आधार पर 37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,825 वाहन बेचे। इस तिमाही में टाटा के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में मजबूत उछाल दर्ज किया गया।

टाटा ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 101.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,30,351 यात्री वाहन बेचे।

टाटा मोटर्स लिमिटेड के कार्यकारी अधिकारी गिरिश वाघ ने कहा कि वापस पटरी पर लौट रही अर्थव्यवस्था के नेतृत्व में वाणिज्यिक वाहन उद्योग ने सभी क्षेत्रों में बढ़ती मांग को जारी रखा। सेमीकंडक्टर की कमी की क्रमिक सहजता और हमारी नीतियों के साथ टाटा मोटर्स ने 1,01,113 वाहनों की बिक्री करते हुए वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही के मुकाबले 100 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की।

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 100 इलेक्ट्रिक बसों और ऐस ईवी को पेश करते हुए अंतर-शहर में यातायात के समाधान प्रदान करते हुए अपनी स्थिर आवाजाही की प्रतिबद्धता को दर्शाया। प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों और लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं 39,000 ऐस ईवी की डिलीवरी के लिए समझौते किए गए। श्री वाघ ने कहा कि आगे बढ़ते हुए हम ब्याज दरों, लागत खर्च, ट्रांसपोर्टर लाभप्रदता और सेमीकंडक्टर उपलब्धता पर कड़ी नजर रखते हुए समग्र वाणिज्यिक वाहनों की मांग के बारे में सतर्क रूप से आशावादी बने हुए हैं।

राज्यसभा में अगले सप्ताह महंगाई पर चर्चा संभव

नयी दिल्ली। राज्यसभा में अगले सप्ताह की शुरुआत में महंगाई और संबंधित मुद्दों पर चर्चा संभव है।

राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि सभापति एम. वेंकैया नायडू और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच सुबह हुई एक बैठक में इस आशय की व्यापक सहमति बनी।

इस बैठक में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मलिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के के.सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के तिरुचि शिवा, शिवसेना के संजय राऊत, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के इलावरम करीम, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम, तेलंगाना राष्ट्र समिति के सुरेश रेड्डी और एमडीएमके के वाइको शामिल थे। गौरतलब है कि मानसून सत्र की शुरुआत से ही राज्यसभा में महंगाई और संबंधित मुद्दों पर चर्चा कराने को लेकर सरकार और विपक्ष में गतिरोध बना हुआ है। विपक्ष नियम 267 के अंतर्गत चर्चा कराना चाहता है जबकि सरकार नियम 176 के तहत इस चर्चा के लिए तैयार है। इसी तनातनी के बीच अनुचित आचरण को लेकर सदन के 20 सदस्य इस सप्ताह के अंत तक सदन में कार्यवाही से निलंबित कर दिए गए हैं। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी , सदन के नेता पीयूष गोयल और संसदीय राज्यमंत्री मुरलीधरण भी मौजूद थे।

मंगलवार शाम भी सदस्यों के निलंबन को वापस लेने की मांग को लेकर विपक्षी नेता श्री नायडू से मिले थे और निलंबन वापस लेने की मांग की थी। श्री नायडू ने कहा कि सदस्यों की खेद प्रकट करने के बाद ही निलंबन वापस हो सकता है।

खाद्य तेलों में टिकाव

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव वहीं दाल-दलहन की कीमतों में मिलाजुला रुख रहा। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अगस्त वायदा 58 रिंगिट चढ़कर 3918 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का अगस्त वायदा 1.27 सेंट की तेजी लेकर 59.21 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई जबकि चना 50 रुपये और चना दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई। वहीं, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव स्थिर रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव टिके रहे। दाल-दलहन : चना 4450-4550,दाल चना 5450-5550, मसूर काली 8400-8500, मूंग दाल 7900-8000, उड़द दाल 9900-9800, अरहर दाल 8600-8700 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3700-3800, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3650-3750 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 17215 रुपये, मूंगफली तेल 19413 रुपये, सूरजमुखी तेल 19341 रुपये, सोया रिफाइंड 15604 रुपये, पाम ऑयल 13407 रुपये और वनस्पति तेल 15318 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

इमामी ने पेश किया मसालों का नया ब्रांड 'मंत्रा'

लखनऊ। इमामी समूह की ब्रांडेड खाद्य निर्माण इकाई इमामी एग्रोटेक लिमिटेड, ने बुधवार को 'मंत्रा' स्पाइसेस को देश भर के घरेलू बाजार में पेश किया।

कंपनी का दावा है कि राजस्थान में जयपुर स्थित आधुनिक फैक्ट्री में इन मसालों को क्रायोजेनिक ग्राइडिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए बनाया जाता है, जहाँ इन मसालों को जीरो से माइनस 50 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर पीसा जाता है। इससे इन मसालों में कुदरती तेल कम से कम 95 फीसदी तक मौजूद रहते हैं, जिससे बेहतर रंग, स्वाद और सुगंध मिलती है। दूसरी ओर बाजार में उपलब्ध मसालों को एक परंपरागत प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए पीसा जाता है, जिसमें 70 डिग्री सेल्सियस तक गर्मी होती है, जिससे इनमें 40 प्रतिशत तक ही आवश्यक तेल रह पाते हैं।

नई श्रेणी की लॉन्चिंग पर इमामी एग्रोटेक के निदेशक, श्री कृष्ण मोहन

न्यायपति ने कहा कि इस ब्रांड को मसालों की बेहतरीन गुणवत्ता के लिए इंटरनैशनल टेस्ट इंस्टिट्यूट ऑफ ब्यूसेल्स (यूरोप) से सुपीरियर टेस्ट अवॉर्ड मिल चुका है। इसके अलावा मंत्रा मसालों की मिश्रित वैरायटी जिपलॉक पैकिंग में आती है, जिससे लंबे समय तक इन मसालों की सुगंध और गुणवत्ता बरकरार रहती है।

उन्होने बताया कि इमामी एग्रोटेक ने उपभोक्ताओं के स्वाद को बढ़ाने के लिए मंत्रा मसाला की विस्तृत रेंज तैयार की है, जिसमें अलग-अलग श्रेणियों में तरह-तरह के शुद्ध मसाले शामिल हैं। इनमें हल्दी, मिर्च, जीरा, धनिया पाउडर शामिल है। इसके अलावा दूसरे तरह-तरह के मिश्रित मसालों, जैसे कि गरम मसाला, मीट मसाला, चिकन मसाला, पावभाजी मसाला, छोले मसाला, चाट मसाला और हींग शामिल हैं।

न्यायपति ने कहा , हमारी योजना साल के अंत तक 2 लाख रिटेल आउटलेट तक अपनी पहुँच बनाने की है। हम तीन साल में पांच लाख आउटलेट्स में अपनी उपस्थिति की योजना बना रहे हैं। मॉडर्न ट्रेड आउटलेट्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर काफी उल्लेखनीय मौजूदगी होगी। हम मंत्रा के लिए अगले पांच सालों में 700-1000 करोड़ के राजस्व का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

इमामी एग्रोटेक लिमिटेड में मार्केटिंग के प्रेसिडेंट, देवाशीष भट्टाचार्य ने बताया कि, मंत्रा में इमामी हेल्दी और टेस्टी की मजबूत हिस्सेदारी है। मंत्रा पश्चिम बंगाल में मसालों का सबसे लोकप्रिय और पसंदीदा ब्रैंड बन गया है। हम बहुत जल्द अपने लक्षित बाजारों में उपभोक्ताओं के दिल और दिमाग में अपनी जगह बना लेंगे। मंत्रा मसाले अलग-अलग तरह के पैक में उपलब्ध होंगे, जिसमें 8 ग्राम से लेकर 200 ग्राम तक की रेंज के पैकेट है। यह मसाले 5 रुपये से लेकर 110 रुपये की रेंज में मिलेंगे।

शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स-निफ्टी एक प्रतिशत उछले

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर कंपनियों के बेहतर तिमाही परिणाम से उत्साहित निवेशकों की आईटी, टेक, रियल्टी, हेल्थकेयर, ऑटो समेत अठारह समूहों में हुई लिवाली से पिछले लगातार दो दिनों की गिरावट के बाद आज शेयर बाजार में रौनक लौट आई तथा सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक प्रतिशत की तेजी पर रहे।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 547.83 अंक की छलांग लगाकर 55816.32 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 157.95 अंक उछलकर 16641.80 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली हुई। इससे मिडकैप 0.90 प्रतिशत की तेजी लेकर 23,590.14 अंक और स्मॉलकैप प्रतिशत मजबूत होकर 26,517.80 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3465 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1755 में तेजी जबकि 1565 में गिरावट रही वहीं 145 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 46 कंपनियां हरे जबकि शेष चार लाल निशान पर रहीं।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) का चालू वित्त वर्ष

की पहली तिमाही के जारी परिणाम में सालाना आधार पर उसका मुनाफा करीब 130 प्रतिशत उछलकर 1012.80 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। साथ ही देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को मार्क्स एंड स्पेंसर के साथ करार होने से ब्रिटेन के बाजार में उसे एक अरब डॉलर का खुदरा कारोबार होने की उम्मीद है। इससे हुई लिवाली से बीएसई में अठारह समूह में तेजी रही। इस दौरान आईटी 1.34, टेक 1.12, बेसिक मैटेरियल्स 1.17, हेल्थकेयर 1.73, इंडस्ट्रियल्स 1.12, बैंकिंग 1.07, कैपिटल गुड्स 1.68, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.09, तेल एवं गैस 1.00 और रियल्टी समूह के शेयर 1.01 प्रतिशत चढ़े।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.40, जर्मनी का डैक्स 0.11 और जापान का निक्केई 0.22 प्रतिशत चढ़ गया जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 1.13 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.05 प्रतिशत उतर गया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 10 अंक फिसलकर 55,258.29 अंक पर खुला और बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 55,157.99 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। लिवाली शुरू होने से यह धीरे-धीरे चढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 55,853.09 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 55,268.49 अंक के मुकाबले 0.99 की तेजी लेकर 55,816.32 अंक पर रहा।

निफ्टी नौ अंक उतरकर 16,475.35 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 16,438.75 अंक के निचले स्तर पर जबकि 16,653.45 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,483.85 अंक की तुलना में 0.96 प्रतिशत चढ़कर 16,641.80 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स की 25 दिग्गज कंपनियां हरे जबकि शेष पांच लाल निशान पर रही। सन फार्मा ने सर्वाधिक 3.39 प्रतिशत का मुनाफा कमाया वहीं भारती एयरटेल ने सबसे अधिक 1.32 प्रतिशत का नुकसान उठाया। इसके अलावा तेजी पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एसबीआई 2.76, एलटी 2.67, टीसीएस 2.33, एक्सिस बैंक 1.78, मारुति 1.62, एचसीएल टेक 1.61, इंफोसिस 1.34, टाटा स्टील 1.05, आईसीआईसीआई बैंक 0.55, विप्रो 0.35 और महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.21 प्रतिशत शामिल रही।

दूसरे दिन 5 जी स्पेक्ट्रम नीलामी में लगी 1.49 लाख करोड़ रुपये की कुल बोली

नयी दिल्ली। देश में यथाशीघ्र 5 जी सेवा शुरू करने के लिए जारी स्पेक्ट्रम नीलामी के दूसरे दिन कुल मिलाकर कंपनियों ने 1.49 लाख करोड़ रुपये की बोली लगायी है।

संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में इस संबंध में पूछे जाने पर कहा कि नीलामी अभी जारी है और कल फिर से बोली लगेगी। आज कुल मिलाकर नौ चक्र की बोलियां संपन्न हुयी है जिसमें कुल मिलाकर 1.49 लाख करोड़ रुपये की बोली लगायी गयी है।

इस निलामी में मुख्य रूप से रिलायंस जियो, भारती एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया और अदाणी समूह शामिल है। अदाणी समूह प्राइवेट

नेटवर्क के लिए 5जी स्पेक्ट्रम खरीदने के लिए बोली लगा रहा है। कंपनियां 5जी नेटवर्क मिलने के बाद इस साल के अंत तक या अगले वर्ष के प्रारंभ में देश में 5 जी सेवाएं शुरू कर सकती हैं। 5जी नेटवर्क 4जी नेटवर्क की तुलना में कम से 10 गुना तेज होगा।

5जी सेवाओं के लिए सरकार ने 600 मेगाहर्ट्ज, 700, 800, 900, 1800, 2100, 2300, 2500 मेगाहर्ट्ज जैसे निम्न बैंड की रेडियोतरंगों और सी बैंड में 3.3-3.6 गीगाहर्ट्ज तथा उच्च बैंड में 26 गीगाहर्ट्ज का कुल 72,097.85 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए पेश किया है।

सरकार द्वारा इस नीलामी के लिए तय न्यूनतम दर बोली स्पेक्ट्रम से कुल 4.3 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हो सकते हैं लेकिन उद्योग जगत के जानकारों का अनुमान लगाया था कि इस नीलामी में 1-1.5 लाख करोड़ रुपये के स्पेक्ट्रम की बिक्री हो सकती है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले महीने 5जी स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए नीलामी कराने के प्रस्ताव को पिछले महीने मंजूरी दी थी।

बीएसएनएल के पुनरूद्धार के लिए 1.64 लाख करोड़ का पैकेज

नयी दिल्ली। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार सेवायें प्रदान करने वाली कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को चौथी पीढ़ी की 4 जी सेवायें शुरू करने के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन के साथ ही इसके 5 जी सेवा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से बुधवार को चार वर्ष के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुयी मंत्रिमंडल की बैठक में यह मंजूरी दी गयी। सरकार ने दूरसंचार क्षेत्र को रणनीतिक क्षेत्र मानते हुये और टेलीकॉम बाजार में संतुलन बनाये रखने के लिए बीएसएनएल की मौजूदगी के महत्व को रेखांकित करते हुये इस पैकेज को मंजूरी दी है। उसने कहा है कि बीएसएनएल ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीकॉम सेवाओं की पहुंच में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके साथ ही स्वेदशी प्रौद्योगिकी और आपदा राहत में भी कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही सरकार बीएसएनएल को इस पैकेज के बल पर वित्त वर्ष 2026-27 तक लाभ की स्थिति में पहुंचाना चाहती है।बैठक के बाद संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को यह जानकारी देते हुये कहा कि इस पैकेज में नकदी के साथ ही सरकार की बैंक गारंटी और इक्विटी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल को गांवों में नेटवर्क के विस्तार में मदद के लिए भारत ब्राडबैंड निगम लिमिटेड (बीबीएनएल) का बीएसएनएल में विलय करने का निर्णय लिया गया है जिससे बीएसएनएल के ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क की क्षमता बढ़कर 14 लाख किलोमीटर से अधिक हो जायेगी।

उन्होंने कहा कि इस पैकेज में 41 हजार करोड़ रुपये की नकदी आर्थिक सहायता भी शामिल है।

शार्ट न्यूज

ध्वजवाहक बनना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है : पीवी सिंधु

बर्मिंघम, 27 जुलाई (वार्ता) बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल की ध्वजवाहक नियुक्त की गयी बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने बुधवार को कहा कि भारतीय दल का ध्वजवाहक बनना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है। सिंधु ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा,%मेरे लिए यह बड़े सम्मान की बात है कि उद्घाटन समारोह में मैं तिरंगा लेकर भारतीय दल का नेतृत्व करूंगी। मैं बहुत खुश हूं और मैं अपने सभी साथी खिलाड़ियों को खेलों के लिए अपनी शुभकामनाएं देती हूं। मैं साथ ही भारतीय ओलम्पिक संघ को धन्यवाद देना चाहती हूं जिसने मुझे ध्वजवाहक के रूप में चुना।

भारत ने मनाया आज़ादी का अमृत महोत्सव

बर्मिंघम। बर्मिंघम में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने 28 जुलाई से शुरू होने वाले बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारतीय टीम का स्वागत करते हुए प्राइड ऑफ इंडिया एट 75 कार्यक्रम का आयोजन किया। बर्मिंघम के रॉयल बर्मिंघम संगीत विद्यालय में आज़ादी का अमृत महोत्सव आयोजित कार्यक्रम में पांच एथलीट शामिल थे, जो बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल का हिस्सा हैं। साथ ही महावाणिज्य दूत डॉ शशांक विक्रम, कार्यवाहक उच्चायुक्त सुजीत घोष, चांसरी के प्रमुख हितेश सक्सेना, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल खन्ना, आईओए कोषाध्यक्ष आनंदेश्वर पांडे और बर्मिंघम में भारतीय टीम के प्रमुख राजेश भंडारी मौजूद रहे। बर्मिंघम में भारतीय मूल के लोगों के साथ सामान्य प्रश्नोत्तर के बाद एथलीटों ने संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को संबोधित किया।

केंद्र ने फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022 की मेजबानी के लिए गारंटी पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022 की मेजबानी के लिए गारंटी पर हस्ताक्षर करने को बुधवार को मंजूरी दी। फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022 भारत में 11 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2022 के बीच आयोजित किया जाएगा। द्विवार्षिक युवा टूर्नामेंट का सातवां संस्करण पहला ऐसा फीफा महिला टूर्नामेंट होगा जिसकी मेजबानी भारत करेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को खेल के मैदान के रख-रखाव इत्यादि के लिए 10 करोड़ रुपये की सहायता की पूर्ति 'राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को सहायता योजना' के लिए बजटीय आवंटन से की जाएगी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप एक प्रतिष्ठित आयोजन है और यह भारत में पहली बार आयोजित किया जाएगा। यह अधिक से अधिक युवाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा और इसके साथ ही भारत में फुटबॉल के खेल को विकसित करने में मदद करेगा। इस आयोजन से न केवल भारतीय बालिकाओं के बीच पसंदीदा खेल के रूप में फुटबॉल को काफी बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह एक चिरस्थायी विरासत भी अपने पीछे छोड़ जाएगा जो देश में बालिकाओं एवं महिलाओं को फुटबॉल और सामान्य रूप से विभिन्न खेलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

हिंदुस्तान ने गढ़वाल को बराबरी पर रोका

नयी दिल्ली। प्रीमियर फुटबाल लीग के रोमांचक मुकाबले में बुधवार को यहां अम्बेडकर स्टेडियम पर हिंदुस्तान फुटबाल क्लब ने गढ़वाल फुटबाल क्लब को अंक बांटने पर मज़बूर कर दिया। गढ़वाल ने पहले हाफ में 2-0 से बढ़त बनाई लेकिन कमजोर आंके जा रहे हिंदुस्तान क्लब ने जल्दी ही पलटवार किया और चार मिनट में दो शानदार गोल जमा कर हिसाब चुकता कर दिया। दिन का दूसरा मैच भी बराबरी पर छूटा। गढ़वाल के लिए तालिब गुलजार और मैन ऑफ द मैच निर्मल बिष्ट ने दर्शनीय गोल किए। हिंदुस्तान के गोल चार्ल्स और चंद्रा तमांग ने 41वें और 45वें मिनट में जमाए। मध्यांतर के बाद दोनों टीमों ने जम कर पसीना बहाया लेकिन निशाने बार बार चूके। दिन के दूसरे मैच में फ्रेंड्स यूनाइटेड और रॉयल रेंजर्स के बीच गोलों का शानदार आदान प्रदान देखने को मिला। लेकिन अंतत: मुकाबला 3-3 की बराबरी पर छूटा। फ्रेंड्स यूनाइटेड के गोल संडे, अजय सिंह और मोहम्मद खालिद ने किए जबकि रोयल रेंजर्स के मिलिंद, गौरव चढ़ा और डेली मकनियो ने बांटे। कल विश्राम का दिन है।

चेन्नई पहुंची शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले

चेन्नई। दिल्ली से शुरू होकर एक महीने पूरे भारत का दौरा करने के बाद शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले बुधवार को 44वें ओलंपियाड के आयोजन स्थल महाबलीपुरम पहुंची। इंटरनेशनल मास्टर्स श्रीहरि एल आर और हर्षवर्धन जीबी ने अन्य स्थानीय अधिकारियों के साथ शतरंज के सैकड़ों प्रशंसकों के बीच प्रतिष्ठित शोर मंदिर में रिले को संभाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून को यह मशाल नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में पांच बार के विश्व विजेता विश्वनाथन आनंद के सुपुर्द की थी। तब से इस मशाल ने पूरे देश में 75 से अधिक शहरों की यात्रा की है, जिसमें कई ग्रैंडमास्टरों और अन्य शतरंज प्रेमियों ने भारतीय शतरंज के इतिहास में एक अनोखे क्षण का हिस्सा बनने की अद्भुत भावना का आनंद लिया है। इसके अलावा, मल्लखंब जैसे अन्य प्राचीन खेलों को भी यात्रा के दौरान साइड इवेंट के रूप में शामिल किया गया है। मशाल को अब चेन्नई तक ले जाया जाएगा जहां यह 28 जुलाई को होने वाले आधिकारिक उद्घाटन समारोह में मौजूद रहेगी।

बांग्लादेश ने भारत को 2-1 से हराया

भुवनेश्वर। एसएएफएफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2019 की विजेता भारत ने बुधवार को चैंपियनशिप 2022 की शुरुआत बांग्लादेश से हारकर की। बांग्लादेश ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारत को 2-1 से हराया। बांग्लादेश के लिये जहां पियाश अहमद (29%, 45+1%) ने दो गोल किये, वहीं भारत का एकलौता गोल हिमांशु जांगड़ा (35%) ने किया। दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखा गया, लेकिन कई मौकों को गोल में न बदल पाने के कारण भारत को हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश के लिये पियाश अहमद ने मैच के 29वें मिनट में भारतीय डिफेंस को भेदते हुए पहला गोल किया। भारत ने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की और छह मिनट बाद ही गुरकीरत सिंह के हेडर की बदौलत मैच 1-1 की बराबरी पर आ गया। मैच के 37वें मिनट में भारत को एक और मौका मिला जहां हिमांशुजांगड़ा ने बॉल पार्थिब गोगोई को पास की। गोगोई ने गोल का प्रयास किया लेकिन बॉल क्रॉस बार पर जा लगी। इस बीच, बांग्लादेश को पहले हाफ के अंत से ठीक पहले एक कॉर्नर मिला जिसे पियाश ने गोल में तब्दील कर अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिलायी।

लक्ष्मी रतन शुक्ला बने बंगाल के कोच

कोलकाता। बंगाल के पूर्व हरफ़नमौला लक्ष्मी रतन शुक्ला को 2022-23 सत्र के लिए बंगाल टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। वह अरूण लाल की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले महीने ही अपने पद से इस्तीफ़ा दिया था। शुक्ला ने कहा, यह मेरे लिए एक नई ज़िम्मेदारी है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा। मुझे नई चुनौतियां पसंद हैं। पिछले कुछ समय से हम (बंगाल) ट्रॉफ़ी जीतने के क़रीब आ रहे हैं लेकिन जीत नहीं पा रहे हैं। इसलिए नए सत्र में नई ऊंचाइयों को पाने के लिए हमें एक नई शुरुआत करनी होगी। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज़ में शुक्ला ने आगे कहा, मैं मानता हूं कि किसी भी लक्ष्य को पाना संभव है बशर्ते सभी अपने आप में विश्वास करें। कठिन परिस्थितियों में अपने आपको कैसे नियंत्रित करना है और उससे कैसे निपटना है, हमें वह कला सीखनी होगी।

पीवी सिंधु होंगी राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल की ध्वजवाहक

बर्मिंघम। भारत की शीर्ष शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु बर्मिंघम के 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को यह घोषणा की।

इससे पहले ओलम्पिक स्वर्ण विजेता और विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भारत के ध्वजवाहक थे, लेकिन उन्होंने चोट चिंताओं के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया था।

नीरज को अमेरिका के यूजीन में विश्व चैंपियनशिप के दौरान हल्की चोट लगी थी और सोमवार को एमआरआई स्कैन कराने के बाद उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया।

आईओए ने बताया कि सिंधु के साथ भारोत्तोलक मीराबाई चानू और मुक्केबाज़ लवलीना बोरगोहेन का नाम भारतीय ध्वजवाहक के लिये शॉर्टलिस्ट हुआ था। दोनों टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता हैं।

आईओए के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल खन्ना, महासचिव राजीव मेहता, कोषाध्यक्ष आनंदेश्वर पांडे और बर्मिंघम में भारतीय टीम के प्रमुख राजेश भंडारी ने यह नाम शॉर्टलिस्ट किये थे। अंतत:, खन्ना और मेहता ने सिंधु को बर्मिंघम खेलों में भारत का ध्वजवाहक चुना।

खन्ना ने यहां जारी एक बयान में कहा, हम बेहद खुशी के साथ पीवी सिंधु के भारतीय टीम का ध्वजवाहक चुनने की घोषणा करते हैं। चानू और बोरगोहेन भी बेहद योग्य थीं, लेकिन हमने सिंधु का नाम चुना क्योंकि वह दो बार ओलंपिक पदक जीत चुकी हैं। हमें उम्मीद है कि सिंधु बर्मिंघम में भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखेंगी।

उन्होंने कहा, राष्ट्रमंडल खेलों के 2022 संस्करण में खेलों के इतिहास में महिला एथलीटों का सबसे बड़ा दल है, इसलिए आईओए ने महसूस किया कि हम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के ध्वजवाहक की प्रतिष्ठित भूमिका के लिए तीन महिला एथलीटों को शॉर्टलिस्ट करके ओलंपिक चार्टर की भावना के पालन में लैंगिक समानता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को उजागर कर सकते हैं।

आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने कहा, हम सिंधु को उद्घाटन समारोह के लिए ध्वजवाहक के रूप में चुनकर बहुत खुश हैं। हम उन्हें बधाई देते हैं। उन्हें और भारतीय दल के अन्य एथलीटों को राष्ट्रमंडल खेलों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

बर्मिंघम में भारतीय दल के प्रमुख राजेश भंडारी ने घोषणा की कि 28 जुलाई, 2022 को होने वाले उद्घाटन समारोह में राष्ट्र की परेड में भारतीय दल से अधिकतम 164 प्रतिभागी भाग ले सकते हैं।

उन्होंने कहा, 164 की गिनती में एथलीट और टीम के अधिकारी शामिल होंगे। एथलीटों की उपलब्धता को देखते हुए आज शाम तक अंतिम सूची तैयार की जाएगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया खेलेंगी टी20 विश्व कप फ़ाइनल : पोंटिंग

मेलबोर्न। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और दो बार 50 ओवर विश्व कप जीतने वाले कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के फ़ाइनल के लिए मेज़बान ऑस्ट्रेलिया और भारत सबसे प्रबल दावेदार हैं।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच पोंटंग ने %आईसीसी रिव्यू% के नवीनतम एपिसोड में कहा, %मुझे लगता है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया फ़ाइनल खेलने वाली दो टीमें होंगी और ऑस्ट्रेलिया उन्हें फ़ाइनल में हरा देगा। मौजूदा चैंपियन टीम के पास घरेलू परिस्थितियां हैं और यह एक ऐसी चीज़ थी जिसने पिछले विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत को ना सिर्फ़ उल्लेखनीय बनाया, बल्कि बहुत सुखद भी। टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ने दो-दो बार फ़ाइनल खेला है लेकिन एक बार भी एक दूसरे के विरुद्ध नहीं। 2007 में भारत ने पाकिस्तान को हराकर पहला विश्व कप अपने नाम किया था जबकि 2014 में वह श्रीलंका से हारे थे। ऑस्ट्रेलिया पिछले साल न्यूज़ीलैंड को हराकर अपना पहला विश्व कप जीता और इससे पूर्व वह 2010 के फ़ाइनल में इंग्लैंड से हारा था। पोंटिंग लंबे समय से ब्रेंडन मैकुलम के प्रशंसक रहे हैं और हाल ही में अपने कार्यकाल के दौरान इस कीवी खिलाड़ी ने अब तक जो कुछ भी किया है, उससे वह बहुत प्रभावित हुए हैं। इंग्लैंड के नए सीमित ओवर कोच मैथ्यू मॉट से भी पोंटिंग परिचित हैं और उन्होंने भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ा ख़तरा इंग्लैंड को बताया। उन्होंने कहा, मुझे सचमुच में लगता है कि इंग्लैंड सफ़ेद गेंद वाली एक शानदार टीम है और उनके पास सफ़ेद गेंद का एक शानदार सेटअप है। मुझे लगता है कि कागज़ पर तीन टीमें जिनके पास सबसे अधिक क्लास और सबसे ज़्यादा मैच जिताने वाले खिलाड़ी दिखते हैं, वे हैं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड। पिछले साल यूएई में हुए विश्व कप में पाकिस्तान ने क्रिकेट जगत को ख़ासा प्रभावित किया था और ग्रुप स्टेज में सारे मैच जीतते हुए सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया । वहां एक क़रीबी मुक़ाबले में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था और पोंटिंग ने पाकिस्तान टीम को कप्तान बाबर आज़म पर अत्यधिक निर्भरता से बचने की सलाह दी।

वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ से बाहर हुए केएल राहुल

एजेंसी

बेंगलुरु । भारतीय बल्लेबाज़ केएल राहुल टी20 सीरीज़ के लिए वेस्टइंडीज़ का दौरा नहीं कर रहे हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो समझता है कि राहुल का क्वारंटीन पीरियड बुधवार को समाप्त हो रहा है लेकिन उन्हें बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने एक सप्ताह और आराम करने की सलाह दी है। राहुल पिछले सप्ताह ही कोरोना पॉज़िटिव हुए थे।

स्पोर्ट्स हार्निया की सर्जरी के बाद राहुल एनसीए, बेंगलुरू में रिकवरी कर

रहे थे और यह संभावना जताई जा रही थी कि वे वेस्टइंडीज़ में टी20 सीरीज़ से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। लेकिन अब यह संभावना समाप्त हो गई है। दो नकारात्मक रिपोर्ट आने के बाद भी वह अब वेस्टइंडीज़ नहीं जाएंगे क्योंकि डॉक्टर्स ने उन्हें आराम की सलाह दी है।

अब वह ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। भारत को 18, 20 और 22 अगस्त को ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ हरारे में तीन वनडे खेलने हैं, जो कि विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है। भारत पहले ही मेज़बान होने की वजह से 2023 वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफ़ाई कर चुका है।

ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ ख़त्म होने के तुरंत बाद भारत को एशिया कप में भाग लेना है जो 27 अगस्त से 11 सितंबर के बीच यूएई में खेला जाएगा।

राहुल ने आईपीएल 2022 के बाद से कोई क्रिकेट नहीं खेला है। वह साउथ अफ़्रीका के ख़िलाफ़ पांच टी20 मैचों के लिए भारतीय टीम के कप्तान नियुक्त किए गए थे लेकिन जांघ की चोट के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा था। इसके बाद वह इंग्लैंड दौरे से भी बाहर हुए। इस दौरान जून में उनकी स्पोर्ट्स हार्निया की सर्जरी हुई और वह वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ के लिए फ़िट दिखाई दे रहे थे कि तभी उन्हें कोरोना हो गया।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले दोनों फ़ाइनल लॉर्ड्स में होंगे

दुबई। आईसीसी ने 2023 और 2025 में होने वाले अगले दोनों विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फ़ाइनल की मेज़बानी लॉर्ड्स को सौंप दी है। 2021 में पहले डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल में न्यूज़ीलैंड ने भारत को हराया था और यह मुक़ाबला भी मूलतया लॉर्ड्स में ही खेला जाना था लेकिन कोविड और उससे उत्पन्न पाबंदियों के चलते यह साउथैंप्टन में खेला गया था।

आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने हाल ही में बीबीसी के %टेस्ट मैच स्पेशल% को बताया था, %यह जून में खेला जाता है और ऐसे में कई जगहों पर इसका खेलना मुश्किल हो जाता है। हमें इस फ़ाइनल के आयोजन पर निश्चित होने की ज़रूरत है और ऐसे में अब कोविड के कम होने के बाद हम इसे लॉर्ड्स में ले आना चाहते हैं।

डब्ल्यूटीसी में विश्व की शीर्ष नौ टेस्ट टीमें एक दूसरे से भिड़ रहीं हैं और दो साल के अंतराल में हर टीम को कुल छह सीरीज़ खेलनी पड़ती हैं, आधे आपने घर पर और बाक़ी देश के बाहर। टेस्ट क्रिकेट को संदर्भ प्रदान करने के अलावा इसमें कई क़रीबी सीरीज़ खेली जा रहीं हैं और 2023 के फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए अभी भी कठोर प्रतिस्पर्धा जारी है।

इस बीच पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली की अगुआई में आईसीसी पुरुष क्रिकेट कमेटी में पूर्व भारतीय बल्लेबाज़ वीवीएस लक्ष्मण और पूर्व न्यूज़ीलैंड कप्तान डेनियल वेटोरी को शामिल किया गया है। लक्ष्मण और वेटोरी वर्तमान खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि पूर्व वेस्टइंडीज़ हरफ़नमौला रॉजर हार्पर पूर्व खिलाड़ियों की ओर से कमेटी के सदस्य होंगे।

चीन के वुहान में पशु बाजार से निकला कोरोना वायरस, दो नए रिसर्च ने किया दावा

नई दिल्ली। कोरोना महामारी चीन से ही निकली और पूरी दुनिया में फैल गई। दो नए रिसर्च ने भी इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना वायरस की उत्पत्ती चीन के वुहान में हुआनन सीफूड मार्केट में हुई। रिपोर्ट यह दर्शाता है कि वायरस बाजार में बेचे जाने वाले जानवरों से निकला है ना कि इसे किसी लैब में तैयार किया गया था। सीएनएन के अनुसार, दोनों रिसर्च को फरवरी में ऑनलाइन पोस्ट किया गया था और अब इसकी समीक्षा की गई है। इसके बाद उन्हें मंगलवार को साइंस जर्नल में प्रकाशित किया गया है। हालांकि दोनों अध्ययनों ने अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाए हैं, लेकिन दोनों एक ही निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि वुहान में पशु बाजार से वायरस के निकलने की सबसे अधिक संभावना पहले अध्ययन में चीनी वैज्ञानिकों और

जीवविज्ञानी माइकल वर्बे और एरिज़ोना विश्वविद्यालय के उनके सहयोगियों ने स्थानिक और पर्यावरणीय विश्लेषण का निर्धारण करने के लिए मैपिंग टूल और एक सोशल मीडिया ऐप का उपयोग करके डेटा का मिलान किया।

उन्होंने दावा किया कि कोरोना वायरस संभवत: 2019 के अंत में बाजार में बेचे जाने वाले जीवित जानवरों में मौजूद था। एपी समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक वर्बे ने कहा, यह एक संकेत है कि वायरस उन लोगों में फैलने लगा जो बाजार में काम करते थे। इसके बाद स्थानीय समुदाय में भी फैलने लगे। वैज्ञानिकों ने दावा किया कि सबसे पहले कोविड-19 मामले बाजार के विक्रेताओं के बीच सामने आए जिन्होंने इन जीवित जानवरों या वहां खरीदारी करने वाले लोगों को बेचा। उनका मानना है कि जानवरों में दो अलग-अलग वायरस घूम रहे थे जो लोगों को संक्रमित करते थे। अध्ययन में कहा गया है, 20 दिसंबर से पहले पाए गए सभी आठ सीओवीआईडी -19 मामले बाजार के पश्चिमी हिस्से से थे, जहां स्तनपायी प्रजातियां भी बेची जाती थीं।

दूसरा अध्ययन यह निर्धारित करने के लिए एक सूक्ष्म विश्लेषण देता है कि दिसंबर 2019 में सबसे पहले नमूना जीनोम से शुरू होने वाला पहला कोरोना वायरस संक्रमण जानवरों से मनुष्यों में कब आया और फरवरी 2020 के मध्य तक फैल गया। इस शोध के अनुसार, कोरोना वायरस के शुरुआती संस्करण में संभवत: दो वंश थे, जिन्हें वैज्ञानिक ए और बी कहते हैं। इसने कहा कि ये वंश मनुष्यों में कम से कम दो क्रॉस-प्रजाति संचरण घटनाओं का परिणाम थे।

अध्ययन में दावा किया गया है कि पहला पशु-से-मानव संचरण संभवत: वंश बी से आया था और 18 नवंबर, 2019 के आसपास हुआ था। उन्होंने वंश बी प्रकार को उन लोगों में पाया जिनका पशु बाजार से सीधा संबंध था। उनका सुझाव है कि वंश ए को जानवरों से मनुष्यों में वंश क्र से संक्रमण के हफ्तों या दिनों के भीतर पेश किया गया था। यह वंश उन मनुष्यों के नमूनों में पाया गया था जो बाजार में रहते थे या रहते थे।

इंटरबैंक बाजार में पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले पहुंचा 236 पर

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी में बुधवार को इंटरबैंक बाजार में एक डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया लगातार गिरते हुए 236 के निचले स्तर पर पहुंच गया। पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा संघ (एफपीए) के मुताबिक आज पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले 3.77 रुपए नीचे गिरकर 236.70 रुपए पर पहुंच गया जो मंगलवार को 232.93 पर बंद हुआ था। एफएफ के अध्यक्ष मलिक बोस्टन ने कहा कि डॉलर की आमद बढ़ाने की जरूरत है क्योंकि इससे रुपये में स्थिरता आएगी। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के साथ व्यापार के लिए स्थानीय मुद्रा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए क्योंकि इससे विदेशी मुद्रा में दो अरब डॉलर की बचत होगी। बोस्टन ने कहा देश में वर्तमान में डालर की आमद में कमी है। ऐसे में अफगानिस्तान से आयात के लिए दो अरब डॉलर का हस्तांतरण करना हमारी मुश्किलों को ओर बढ़ा रहा है।

दो सप्ताह में दोगुने हो रहे मंकीपॉक्स के केस, साइंटिस्ट बोले- प्रसार रोकने के रास्ते हो रहे बंद

एजेंसी

मंकीपॉक्स दिन पर दिन गंभीर रूप लेते जा रहा है। विश्व स्वास्थ संगठन के वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्तमान में हर दो सप्ताह में इसके मामले दोगुने हो रहे हैं। मंकीपॉक्स के प्रसार को रोकने के लिए रास्ते बंद रहे हैं। बीमारी को लेकर चिंता जताते हुए वैज्ञानिकों ने कहा कि प्रकोप को चरम पर पहुंचने में कुछ महीने लग सकते हैं।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार 2 अगस्त तक 88 देशों में 27,000 से अधिक मंकीपॉक्स के मामलों की पुष्टि हुई है। जबकि इससे पहले यह आकंड़ा 70 देशों में 17,800 मरीजों तक सीमित था।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे आगे की भविष्यवाणी करना जटिल है, लेकिन वायरस के लंबे समय तक ट्रांसमिशन की उम्मीद जताई है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स में एक महामारी विज्ञान के

प्रोफेसर ऐनी रिमोइन ने कहा है कि हमें इसके फ्रंट में आना पड़ेगा।

प्रसार रोकने के रास्ते हो रहे बंद

वहीं, डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य रिमोइन ने कहा, यह स्पष्ट है कि ऐसा करने के अवसर की खिड़की बंद हो रही है।

बता दें कि पिछले हफ्ते डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अदनोम दुनिया के सामने हेल्थ इमरजेंसी की घोषणा की कर चुके हैं।

तत्काल कदम उठाने की जरूरत

वैज्ञानिकों ने कहा कि हेल्थ इमरजेंसी की घोषणा के बाद कुछ कदम तत्काल उठाए जाने चाहिए, जिसमें टीकाकरण में तेजी, टेस्टिंग, संक्रमित लोगों के लिए आइसोलेशन की व्यवस्था और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में तेजी लानी चाहिए। दुनियाभर में पैर पसारने से पहले मंकीपॉक्स अफ्रीका के कुछ देशों तक सीमित था, लेकिन अब उन देशों के बाहर भी इसके मामले मिलने लगे हैं।

सिंगापुर ने बढ़ायी गोतबाया राजपक्षे की ठहरने की समय सीमा

सिंगापुर। सिंगापुर सरकार ने श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे की अपने देश में ठहरने की समय सीमा 14 दिन के लिए और बढ़ा दी है। बुधवार को यह जानकारी दी गयी। दो सप्ताह पहले एक निजी यात्रा पर यहां पहुंचे श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को पहले कम समय का यात्रा पास जारी किया गया था, लेकिन अब उनके देश में ठहरने की समय सीमा बढ़ाकर 11 अगस्त कर दी गयी है। श्रीलंका में जारी जबरदस्त आर्थिक संकट के बाद सरकार के खिलाफ शुरू हुए हिंसक आंदोलन के तहत प्रदर्शनकारियों के राष्ट्रपति भवन में जबरन घुसने के बाद श्री राजपक्षे को भागकर मालदीव होते हुए सिंगापुर आना पड़ा था। उस समय सिंगापुर की सरकार ने उनके देश में निजी यात्रा पर आये श्री राजपक्षे को राजनीतिक शरण नहीं दी थी।

राष्ट्रपति अल्वी ने परवेज इलाही को दिलायी पंजाब के मुख्यमंत्री पद की शपथ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री के रूप में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) समर्थित परवेज इलाही को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने बुधवार को शपथ दिलायी। 'जियो न्यूज़' की रिपोर्ट में बताया गया कि पंजाब प्रांत में मुख्यमंत्री चुनाव को लेकर विधानसभा के उपाध्यक्ष दोस्त मोहम्मद मजारी के आदेश को देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध ठहराये जाने के बाद पीटीआई समर्थित उम्मीदवार श्री इलाही के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हुआ। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यी बैंच जिसमें देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति उमर अता बांदियाल के अलावा, न्यायमूर्ति इजाजुल एहसान और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर शामिल थे, ने अपने प्रारंभिक आदेश में पंजाब पांत के राज्यपाल बालिघ-उर -रहमान को श्री इलाही को शपथ दिलाने के निर्देश दिये थे हालांकि ,उन्होंने ऐसा करने से इंकार कर दिया था, जिसके बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने श्री इलाही को शपथ दिलायी। जियो न्यूज के अनुसार राष्ट्रपति ने श्री इलाही को शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के लिए एक विशेष हवाई जहाज भेजा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पद के चुनाव को लेकर उभरे विवाद की सुनवायी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि श्री इलाही को 186 मत प्राप्त हुए जबकि श्री हमज़ा शहबाज को केवल 179 मत ही हासिल कर सके। इस स्थिति में श्री इलाही को पंजाब प्रांत का विधिवत मुख्यमंत्री घोषित किया जाता है।

इस्लामाबाद में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

इस्मलामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री चुनाव में विधानसभा उपाध्यक्ष के फैसले को उलटने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद संघीय राजधानी इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गयी है। डॉन ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने और संवेदनशील, प्रमुख तथा सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था में दंगा नियंत्रण यूनिट और आतंकवाद निरोधक विभाग के साथ पुलिस को पूरी तरह से तैनात रहने के आदेश अधिकारियों ने दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक (एसपी) को दी गयी है और न्यायाधीशों, जन एवं सरकारी अधिवक्ताओं के प्रवेश द्वार पर पुलिस कर्मियों के साथ छह टुकडियों को तैनात किया गया है। चार टुकडियों को एक्सप्रेस चौक, तीन को खयाबन-ए-सुहारवर्दी, दो-दो टुकड़ियों को नादरा मुख्यालय चौक, अघा खान रोड और एक-एक टुकड़ी को बारी इमाम टी-क्रॉस और मारगल्ला मार्ग पर लगाया गया है और पांच टुकड़ियों को सचिवालय पुलिस स्टेशन के निकट स्टैंडबाई पर रखा गया है। स्पेशल ब्रांच के एआईजी को नजर रखने और अपने सहयोगियों को पहले से सूचना एकत्र करने को कहा गया है। इसके अलावा प्रमुख स्थानों पर तकनीक की मदद से नजर रखने, बम निरोधक दस्तों को तैनात करने और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों को भी तैनात करने के निर्देश दिये गये हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट को सुरक्षा योजना के तहत एंबुलेंस, पैरामेडिकल स्टाफ और अग्निशमन दल को भी मजिस्ट्रेट के साथ तैनात करने को कहा गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

पहाड़ों की चादर ओढ़े

मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर–पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं।

मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉग

मेघालय का कैपिटल शिलॉग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉग न देखें । शिलॉग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा

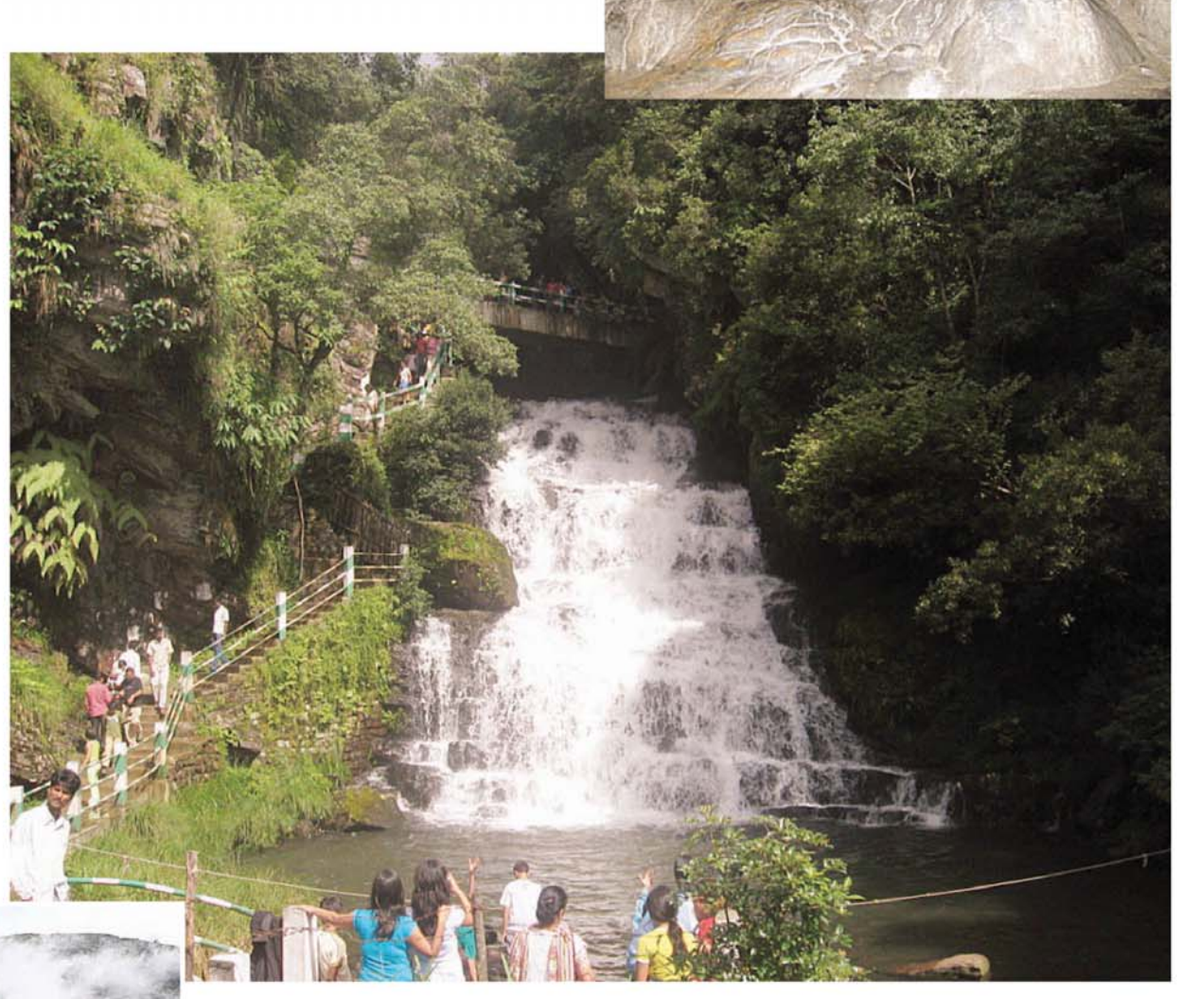

स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक हद्धद्धहद्ध है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस

राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

CMYK CMYK CMYK CMYK